केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

03 फरवरी 2025

सोमवार

बिहार पुलिस में अन्य राज्यों की अपेक्षा बढ़ी है महिलाओं की संख्या 2

दिल्ली में पीएम मोदी बोले... झाड़ू के तिनके बिखरे, पार्टी छोड़कर जा रहे हैं आप-दा के नेता

- पीएम ने आरके पुरम में किया सभा को संबोधित
- बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है : पीएम

एजेंसी/प्रयागराज

दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली पहुंचे। पीएम ने आरके पुरम में करीब 1 घंटे जनता को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने आप-दा और कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली की शुरुआत देशवासियों को बसंत पंचमी की बधाई के साथ की। मोदी ने कहा- बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद 5 फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आने वाला है। दिल्ली में वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं। आपदा के लीडर्स उसे छोड़कर जा रहे हैं। आपदा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। सरकार वो अच्छी है जो बहाने बनाने के बजाय दिल्ली को सजाने-संवारने में ऊर्जा लगाए.स बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनने जा रही है। इस बार पूरी दिल्ली कह रही है- अबकी बार मोदी सरकार। साथियों दिल्ली की आपदा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी दिल्ली वासियों की सेवा का अवसर जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को दूर करने के लिए खप जाऊंगा। गरीब हो या मिडिल क्लास, हर परिवार का जीवन खुशहाल हो ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली को मिलेगी। हमें ऐसी सरकार बनानी है जो लड़ाई-झगड़े के बजाय दिल्ली के लोगों की सेवा करे। जो बहाने बनाने के बजाय दिल्ली को सजाने-संवारने में ऊर्जा लगाए। आपने आने वाले 5 साल के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है। अब गलती से भी यहां आपदा सरकार नहीं आनी चाहिए.इस साल के बजट के बारे में आपने कल सुना होगा, आज के अखबार तो भरे पड़े हैं। कारण है कल का बजट जनता का बजट है। उनकी आकांक्षाओं का बजट आया है। पहले की स्थिति होती तो यह बढ़ती हुई कमाई घोटाले की भेंट चढ़ जाती। आपकी कमाई कुछ लोगों ने हड़प ली होगी, लेकिन भाजपा की ईमानदार सरकार ये पैसा देश की भलाई के लिए लगा रही है।आज इंदिरा जी की सरकार होती तो 12 लाख की कमाई पर 10 लाख टैक्स में चले जाते। 10-12 साल पहले तक कांग्रेस की सरकार में अगर आप 12 लाख कमाते तो आपको 2 लाख 60 हजार रुपया वापस देना पड़ता टैक्स के रूप में। अब 12 लाख कमाई वाले को एक रुपया भी टैक्स नहीं देना पड़ेगा।दिल्ली के लोग कभी भूल नहीं सकते कि खेलों के नाम पर किस तरह अअढ-दा और कांग्रेस ने दिल्ली के लोगों को धोखा दिया है। कॉमनवेल्थ घोटाले के दाग इतने गहरे हैं कि कांग्रेस कभी उससे मुक्त नहीं हो सकती। आप-दा पार्टी ने दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के नाम पर जो खेल किया है, वो दिल्ली की जनता, दिल्ली का नौजवान भलीभांति जानता है। इसलिए आज का युवा भारत, भाजपा पर भरोसा करता है और भाजपा के साथ है। कांग्रेस ने, बिहार के लोगों को नजरअंदाज किया। लेकिन आज भाजपा की सरकार दिन-रात बिहार के लिए काम कर रही है। सबके लिए कार्य हो रहा है।

महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से प्राइवेट बस जा रही थी गुजरात के द्वारिका

गुजरात में दर्दनाक हादसा: बस खाई में गिरने से 7 श्रद्धालुओं की मौत, 35 घायल

- 4 बसों में यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं में से एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई
- यात्री बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरे खाई में गिरी
- घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया

एजेंसी/डांग

गुजरात के डांग में तीर्थयात्रियों से भरी बस 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गयी है जबकि 35 लोग घायल हो गये हैं। मध्य प्रदेश के शिवपुरी, गुना और अशोक नगर जिले से तीर्थयात्री 4 बस से 23 दिसंबर को धार्मिक यात्रा पर निकले थे। जहां 200 फीट गहरी खाई में तीर्थ यात्रियों से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर गिर गयी।

इस हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी है जबकि 35 श्रद्धालु घायल हो गये हैं। घटना सापुतारा हिल स्टेशन के पास की है। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से 48 तीर्थयात्रियों को लेकर प्राइवेट बस गुजरात के द्वारिका जा रही थी। तभी डांग जिले में सापुतारा हिल स्टेशन के पास बस अनियंत्रित होकर गहरे खाई में गिर गयी। घटना रविवार की सुबह करीब 4 बजकर 15 मिनट की है। बस में सवार तीर्थयात्री मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। बताया जाता है कि बस का ब्रेक फेल होने के कारण यह हादसा हुआ है क्योंकि यात्रियों ने बताया कि अहले सुबह सातुपारा में चाय पीने के लिए बस को रोका गया था। चाय नाश्ता करने के बाद लोग बस में सवार हुए जिसके बाद को आगे बढ़ाया गया। जिसके कुछ देर बाद बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरे खाई में गिर गयी। जिसमें 7 लोगों की मौत हो गयी है जिसमें बस का ड्राइवर भी शामिल है। मृतकों की पहचान बस के ड्राइवर रतनलाल जाटव, गुड्डी राजेश यादव, कमलेश वीरपाल यादव, भोलाराम कुशवाहा, बृजेंद्र उर्फ पप्पू यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के शिवपुरी, गुना और अशोक नगर जिले के तीर्थयात्री 4 बस से 23 दिसंबर को धार्मिक यात्रा पर निकले थे। श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के अलग-अलग तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही थी। 4 बसों में यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं में से एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरे खाई में गिरने से 7 तीर्थयात्रियों की दर्दनाक मौत हो गयी जबकि 35 लोग घायल हो गये हैं। आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल यात्रियों में से कुछ की हालत गंभीर बतायी जा रही है। डॉक्टर लगातार नजर बनाये हुए है।

सीएम ने किया घोषणा घायलों को भी सहायता राशि

भोपाल। बस में करीब 50 श्रद्धालु सवार थे। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। इस पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतक और घायलों के परिजनों को सहायता राशि देने का भी ऐलान किया है सीएम ने आगे लिखा है कि मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। सभी मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 4-4 लाख, गंभीर घायलों को 1-1 लाख के साथ समुचित इलाज की व्यवस्था एवं सामान्य घायलों को ?50-50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पति की किडनी 10 लाख में बेचकर महिला पैसे लेकर प्रेमी के साथ भागी

हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति की किडनी 10 लाख रुपए में बेच दी। इसके बाद वह पूरे पैसे लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला ने बेटी की पढ़ाई के लिए पति से पैसे जुटाने को कहा। और उसे 10 लाख रुपए में किडनी बेचने पर मजबूर किया। पुलिस ने संकरैल निवासी पति की शिकायत पर जांच शुरू की है। पति ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी पिछले एक साल से किडनी बेचकर पैसे लाने का दबाव डाल रही थी। उसका कहना था कि इन पैसों से घर अच्छे से चलाएगी और 12 वर्षीय बेटी का अच्छे स्कूल में एडमिशन कराएगी। इसके बाद वह किडनी बेचने के लिए राजी हुआ और एक खरीदार के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया। पिछले महीने हुई सर्जरी के बाद पति पैसे घर ले आया। उसकी पत्नी ने जल्दी ठीक होने के लिए उस से आराम करने और बाहर न निकलने के लिए कहा। इसके बाद परिजनों ने दोस्तों और परिचितों की मदद से उसकी खोजबीन शुरू की।महिला कोलकाता के उत्तरी उपनगर बैरकपुर में एक घर में मिली। इस घर में वह आदमी भी रह रहा था, जिसके साथ वह कथित तौर पर भाग गई थी।

छत्तीसगढ़ में मारे गए 8 नक्सलियों पर था 16 लाख रुपये का इनाम

केटी न्यूज/बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए आठ नक्सलियों पर कुल 16 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने यह जानकारी दी। गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टोडका गांव के पास जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान प्रतिबंधित माओवादी संगठन के आठ सदस्यों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। मुठभेड़ में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान भी घायल हुए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि मारे गए नक्सलियों में से एक कमलेश नीलकंठ (24) माओवादियों के पश्चिम बस्तर संभाग के गंगालूर क्षेत्र समिति का सदस्य था और उस पर पांच लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि गंगालूर एलओएस (स्थानीय संगठन दस्ता) के ताती कमलू और मंगल ताती नामक दो अन्य नक्सलियों पर तीन-तीन लाख रुपये का इनाम था। अधिकारी के मुताबिक, शेष नक्सलियों की पहचान लच्छू पोटाम (40), शंकर ताती (26), राजू ताती, विज्जू पदम (22) और सन्नू ताती (40) के रूप में हुई है तथा इन सभी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक इंसास राइफल, एक ग्रेनेड लॉन्चर और उसके 10 गोले, 12 बोर की दो राइफल, चार मुजल-लोडिंग राइफल और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 49 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 33 नक्सली बीजापुर समेत सात जिलों वाले बस्तर संभाग में मारे गए। पुलिस के अनुसार, 20-21 जनवरी को राज्य के गरियाबंद जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए।

यूपी सोनभद्र में बेकाबू ट्रेलर ने कार को रौंदा, मासूम समेत छह की मौत

एजेंसी/सोनभद्र

वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हाथीनाला थाना क्षेत्र के रानीताली गांव के पास रविवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। चार अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें चोपन सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई है। चोपन की तरफ से ट्रक ट्रेलर हाथीनाला की ओर जा रहा था।

रानीताली गांव के पास अचानक ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे लेन में चला गया। चाय पीकर सड़क की तरफ का रहा एक ट्रक चालक उसकी चपेट में आ गया। इसी दौरान हाथीनाला की तरफ से तेज गति में आ रही क्रेटा भी ट्रेलर में टकरा गई। हादसे में क्रेटा सवार एक महिला और एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा ट्रक चालक और ट्रेलर के चालक की भी मौके पर मौत हो गई। चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घटना की सूचना पर पहुंची हाथीनाला और चोपन थाने की पुलिस ने तत्काल बचाव कार्य शुरू करते किया।चारों घायलों को चोपन सीएचसी ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर डीएम व एसपी अस्पताल पहुंचे। मृतकों में चालक सनाउल्लाह (40) की शिनाख्त हुई है। वह छत्तीसगढ़ के है। दूसरे मृतक रवि मिश्रा छत्तीसगढ़ पुलिस में है।

जेपीसी वक्फ संशोधन विधेयक पर आज संसद में होगा रिपोर्ट पेश

एजेंसी/नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर रिपोर्ट 3 फरवरी को लोकसभा में पेश की जाएगी। संयुक्त समिति की रिपोर्ट वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पेश करेंगे। समिति के समक्ष दिए गए साक्ष्यों का रिकॉर्ड भी पटल पर रखा जाएगा। बता दें कि रिपोर्ट 30 जनवरी, 2025 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी गई थी।

बता दें कि जेपीसी ने वक्फ विधेयक 1995 को 14 खंडों और धाराओं में 25 संशोधनों के साथ मंजूरी दी थी। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में सीएपीएफ भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महेश कुमार चौधरी के रूप में हुई है, जो इंजीनियरिंग स्टोर डिपो, कनीकिनारा, उत्तर 24 परगना में सिपाही के पद पर तैनात है। जांच में पता चला कि फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर पश्चिम बंगाल के निवास प्रमाण पत्र तैयार करने वाले एक रैकेट के सरगना के रूप में वह इस मामले में शामिल था। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि जांच में यह भी पता चला कि उसने उम्मीदवारों से सीधे और बिचौलियों के माध्यम से भारी मात्रा में धन लिया है। सीबीआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट के 2023 के आदेश के अनुपालन में गिरफ्तार आरोपियों और अज्ञात अन्य सहित दो नामजद आरोपियों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया था।

बसंत पंचमी स्नान के बाद महाकुंभ के बुकिंग में फिर से बढ़ोतरी की संभावना

भगदड़ के बाद होटल बुकिंग में आई भारी गिरावट

एजेंसी/प्रयागराज

प्रयागराज में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के स्नान पर हुई भगदड़ के बाद होटल बुकिंग में भारी गिरावट आई है। इस घटना के बाद कई श्रद्धालु अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके। जिसके कारण उनकी बुकिंग रद्द कर दी गई। हालांकि, होटल व्यवसायियों को उम्मीद है कि बसंत पंचमी स्नान के बाद बुकिंग में फिर से बढ़ोतरी होगी।

होटल व्यवसायी अब यात्रियों से कह रहे हैं कि स्थिति अब सामान्य हो चुकी है और वे बिना किसी डर के महाकुंभ में आ सकते हैं। कई होटल मालिक संभावित ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रयागराज होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह ने बताया कि 29 जनवरी की घटना के बाद होटल बुकिंग में 40-50 प्रतिशत की गिरावट आई है। 28 से 30 जनवरी के बीच कई तीर्थयात्रियों को शहर की सीमा पर ही रोक लिया गया था, जिससे वे अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके। भगदड़ की खबर फैलने के बाद श्रद्धालुओं ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी थी। होटल मालिक अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि हमने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे बसंत पंचमी स्नान के बाद आएं, क्योंकि तब तक शहर में वाहनों की आवाजाही सामान्य हो जाएगी। होटल मालिकों का कहना है कि सोशल मीडिया और यूट्यूब पर अफवाहों ने स्थिति को और भी बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया, जिससे यात्रियों में डर फैल गया। लेकिन जब होटल व्यवसायियों ने स्थिति स्पष्ट की, तो कई श्रद्धालुओं ने अपनी बुकिंग रद्द करने का फैसला वापस ले लिया। होटल व्यवसायियों ने प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग की है ताकि यात्रियों को कम से कम अपने होटलों तक पहुंचने में कोई समस्या न हो। महिलाओं, बच्चों और भारी सामान के साथ यात्रियों को 15-20 किलोमीटर पैदल चलना अव्यवहारिक था।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बांका को सीएम ने दी 362 करोड़ की सौगात, बनेंगे स्मार्ट विलेज, रिसोर्ट व मेडिकल कॉलेज

बिहार पुलिस में अन्य राज्यों की अपेक्षा बढ़ी है महिलाओं की संख्या

केटी न्यूज/बांका

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बांका जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में समाहरणालय सभागार में समीक्षात्मक बैठक की। समीक्षात्मक बैठक में बांका जिले के जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने जिले के विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल एवं उनका अनुरक्षण, हर घर तक पक्की गली-नाली निर्माण, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य उपकेंद्र में टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी एवं पंचायत सरकार भवन के निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा हर पंचायत में विद्यालय, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत में खेल-कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल का मैदान, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन सहित अन्य विभागों के अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। स्मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से पंचायती राज संस्थाओं तथा वर्ष 2007 से नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, इसके तहत अब तक 4 चुनाव हो चुके हैं। बड़ी संख्या में महिलायें चुनकर आई हैं। हमलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए हर प्रकार से काम किया है। वर्ष 2013 से पुलिस की बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। अब बिहार के पुलिस बल में महिलाओं की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। बिहार पुलिस में महिलाओं की जितनी संख्या है उतना देश के किसी भी अन्य राज्य के पुलिस बल में नहीं है। वर्ष 2016 से सभी सरकारी सेवाओं में हमलोगों ने महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देना शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने आते थे। हमलोगों ने वर्ष 2006 से सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई, जिसके कारण अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिमाह औसतन 11 हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। आप सभी जनप्रतिनिधि इन बातों को याद रखिए और लोगों को भी बताइये।

बोले स्वास्थ्य मंत्री... जल्द डिजिटलीकरण हो रहे है प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल

केटी न्यूज/पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अबतक कुल 1.55 करोड़ परिवारों एवं 3.69 करोड़ पात्र लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड मिल चुका है। अब तक राज्य में 16.72 लाख से अधिक लाभार्थियों को लगभग 2187 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया गया है। स्वास्थ्य मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार इस डिजिटल क्रांति के अग्रणी राज्यों में से एक हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना (एमडीएचवाई) बिहार सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषित योजना है।

इसके अंतर्गत भाव्या एप के सहयोग से हेल्थ इन्फार्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम के द्वारा राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों का डिजिटलीकरण किया जा रहा हैं। भव्या इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड, आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आईडी और रियल-टाइम डेटा एक्सचेंज को स्वास्थ्य प्रणाली का हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, डिजिटल रोगी पंजीकरण प्रतीक्षा समय को कम कर रहा है। यह सुविधा रेफरल और डिस्चार्ज प्रक्रियाओं में अस्पताल प्रशासन की दक्षता बढ़ाने में मदद कर रहा है। दरअसल, पटना में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबी-डीएम) एवं मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना (एम-डीएचवाई) के भविष्य की कार्य योजना पर परिचर्चा हेतु एक दिवसीय बिहार कान्क्लेव का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया। अपने संबोधन में स्वास्थ्य पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ 27 सितंबर 2021 को किया गया था। जिसका उद्देश्य देश की संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना और हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम प्रदान कर योजना को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। योजना के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट प्रदान कर उनकी संपूर्ण चिकित्सा जानकारी डिजिटल रूप से संरक्षित, सुगम और सुरक्षित हो सके। मंगल पांडेय ने कहा कि वर्तमान में बिहार ने एबीडीएम अंतर्गत स्कैन एण्ड शेयर में उत्कृष्ठ प्रर्दशन कर कुल एक करोड़ 79 लाख टोकन का निमार्ण करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य में कुल 4 करोड़ 30 लाख लोगों की आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट भव्या आईडी द्वारा बनाई गई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का शेड्यूल जारी

पटना। प्रगति यात्रा के चौथे चरण का फाइनल अपडेट आ गया है। मुख्यमंत्री 21 फरवरी तक यात्रा पर रहेंगे। बिहार सरकार की ओर से इसके लिए पत्र जारी किया गया है। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के चौथे चरण का फाइनल अपडेट आ गया है। पहले के प्लान के मुताबिक सीएम आठ फरवरी को लखीसराय और शेखपुरा जाने वाले थे। अब वह छह फरवरी को इन दोनों जिलों में रहेंगे। आइए जानते हैं सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा किस दिन किस जिले में पहुंचेगी। प्रगति यात्रा का कार्यक्रम 10 फरवरी को नवादा, 11 फरवरी को औरंगाबाद, 13 फरवरी को गया, 14 फरवरी को जहानाबाद और अरवल, 15 फरवरी को बक्सर, 16 फरवरी को भोजपुर, 18 फरवरी को कैमूर, 19 फरवरी को रोहतास, 20 फरवरी को नालंदा, 21 फरवरी को पटना में होगा। सीएम ने प्रगति यात्रा के चौथे चरण में रविवार को बांका जिले में है।

प्रयागराज जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 45 लोग थे सवार

पूर्णिया। पूर्णिया में प्रयागराज जा रही बस हादसे की शिकार हो गई है। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाल लिया गया है।

हादसे के वक्त बस में 45 श्रद्धालु सवार थे। पश्चिम बंगाल के सिल्लीगुड़ी से पश्चिम बंगाल के सिल्लीगुड़ी से श्रद्धालुओं का जत्था बस पर सवार होकर प्रयागराज के लिए निकला था। रविवार की सुबह बस जैसे ही पूर्णिया के डगरुआ थाना क्षेत्र के लसनपुर पुलिया के पास अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे जा गिरी। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस मौके पर पहुंची है।

तेजस्वी यादव पूरी तरह से अज्ञानी: मांझी

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि बार-बार तेजस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेहत को लेकर जो बयान दे रहे हैं मुझे लगता है कि तेजस्वी का स्वास्थ्य खराब है। पहले उनका स्वास्थ्य जांच कर मेडिकल रिपोर्ट पेश करना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी जिले में जाकर वहां के विकास योजनाओं की जानकारी ले रहे हैं।

विकास की गंगा बहा रहे हैं। जीतन राम मांझी यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर जो तेजस्वी प्रसाद यादव बयान बाजी कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि वह अज्ञानी हैं, क्योंकि बिहार को इस बजट में जितना मिलना चाहिए था उससे अधिक मिला है। तेजस्वी प्रसाद यादव सिर्फ इधर-उधर की बातें करते हैं। उनका विकास से कुछ लेना-देना नहीं है। यही कारण है कि बजट में उनका बिहार के लिए कुछ नहीं नजर आ रहा है। तेजस्वी को अज्ञानता है क्योंकि समाज को क्या चाहिए इससे उनका कोई लेना देना नहीं है। कभी उन्होंने संघर्ष नहीं किया, आंदोलन नहीं किया, कभी जेल नहीं गए। वे बिहार के लिए कुछ करने वाले नहीं हैं, क्योंकि वे सिर्फ एक समूह को लेकर चलते हैं। उसी समूह के बारे में सोचते हैं। बिहार में क्या हो रहा है, क्या होना चाहिए इससे कुछ लेना-देना नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने महाकुंभ में हुई भगदड़ पर साफ तौर पर कहा कि महाकुंभ में जो व्यवस्था करनी चाहिए थी, उससे अधिक व्यवस्था की गई है।

थोड़ी सी गलतफहमी के चक्कर में यह घटना घटी है। मगर वहां की सरकार एवं प्रशासन के लोगों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला है और सब चीज अच्छे ढंग से हो रहा है। विरोधियों के द्वारा तरह-तरह का अनाप-शनाप जो बोला जा रहा है, उसमें कोई सत्यता नहीं है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि आप अपने बच्चों को शिक्षित कीजिए। शिक्षा शेरनी का दूध है और जो इस दूध को सेवन करता है वह शेर से काम नहीं होता है। इस मौके पर हम के राष्ट्रीय नेता राजेश रंजन ने कहा कि सम्मेलन में जितनी भीड़ उमड़ी है इस भीड़ को देखकर विरोधियों का कलेजा फट रहा है।

शादी के लिए दरोगा व महिला सिपाही ने नवादा एसपी को दिया था आवेदन

दरोगा ने महिला सिपाही से मंदिर में रचाई शादी और फिर वहीं पर शुरू कर दी मारपीट

केटी न्यूज/नवादा

नवादा में तैनात दो पुलिसकर्मियों ने शोभनाथ मंदिर में शादी कर ली। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि शादी के तुरंत बाद ही दरोगा ने महिला सिपाही के बीच विवाद शुरू हो गया। दरोगा ने देखते ही देखते अपनी नई नवेली दुल्हन को थप्पड़ जड़ दिया। इधर, इस घटना का किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। नवादा दरोगा और सिपाही ने लव मैरिज कर लिया। अब इस शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि दरोगा नरहट थाना एवं महिला सिपाही महिला थाना नवादा में पदस्थापित हैं। दोनों काफी समय से एक दूसरे से प्रेम करते थे और अंत में दोनों ने शादी करने का निर्णय ले लिया। इसके तहत दोनों शोभ नाथ मंदिर प्रांगण में पहुंचे और शादी शुरू हो गई। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था लेकिन मामला तब तूल पकड़ गया जब दोनों आपस में शादी के दौरान ही वीडियो बनाने को लेकर उलझने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों के विवाह के समय वीडियो बनाया जा रहा था जिसे दरोगा को नागवार गुजरी।

उसके बाद दोनों उलझ गए। मंदिर प्रबंधन द्वारा शादी की काटी गई रसीद में दरोगा का नाम सचिन कुमार लिखा गया है। वहीं महिला सिपाही का नाम सुमन कुमारी बताया गया है। सचिन मुंगेर जिला के धरहरा थाना क्षेत्र निवासी लालचंद यादव का पुत्र हैं जबकि महिला सिपाही सुमन कुमारी कटिहार जिले के कुरसेला इलाके के रहनेवाली है। इधर, महिला सिपाही सुमन कुमारी ने बताया कि दो साल से दोनों में प्रेम प्रसंग है।

हमलोगों ने शादी को लेकर नवादा एसपी को आवेदन दी थी। इसके बाद उन्होंने कहा था तुम दोनों शादी कर लो। मंदिर में दरोगा सचिन ने शादी तो रचा ली। लेकिन, अचानक छोटी सी बात लेकर वह मेरे साथ मारपीट करने लगा। इधर, प्रत्यक्षदर्शियों ने जब मारपीट का विरोध किया तो दरोगा ने अपनी पत्नी को अपने साथ लेकर चला गया। वहीं पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और दोनों पुलिसकर्मियों से पूछताछ की जा रही है।

सौतेली मां न दे सकी आंचल को ममता की छांव, पप्पू को आजीवन सालते रहेगी दूसरी शादी की टीस

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

♦ बेटियों को मां की कमी पूरा करने के लिए ही पप्पू ने नाते रिश्तेदारों के कहने पर की थी दूसरी शादी

दुनिया में मां की ममता से बड़ी कोई चीज नहीं होती। जहां भी ममता की बात आती है वहां स्वतः ही मां का नाम आ जाता है। मासूम बच्चों की परवरिश में पिता के साया के साथ ही मां की ममता संजीवनी का काम करती है। लेकिन, नया भोजपुर के पप्पू गोंड की 8 वर्षीय बेटी आंचल अभागी निकली, जिसे बचपन में कोरोना के बहाने कुदरत ने मां की ममता छीन ली तो पिता ने इस कमी को पूरा करने के लिए दूसरी शादी की, लेकिन उसकी दूसरी (सौतेली) मां उसे अपनी ममता से सींचने के बदले एक मामूली सी बात पर उसकी जान ले बैठी।

यहां यह भी दिलचस्प है कि बेटियों को मां की कमी पूरा करने के लिए ही पप्पू गोंड ने नाते रिश्तेदारों व पड़ोसियों के कहने पर दूसरी शादी की थी। उसे लगा था कि सीमा के आने के बाद उसकी बच्चियों को मां की कमी महसूस नहीं होगी तथा बूढ़ी मां के साथ बच्चों को दो वक्त की रोटी भी आसानी से मिल जाएगी, लेकिन उसे क्या पता था कि दूसरी शादी का फैसला उसके जीवन की सबसे बड़ी भूल साबित होने वाली थी, इस फैसले ने उसकी फूल-सी बेटी को सदा के लिए उससे छीन लिया। शायद शांत व भोली सी दिखने वाली सीमा के खौफनाक इरादे की उसे भनक तक लगी होती तो वह अपनी बच्चियों को सुरक्षित कर मजदूरी के लिए परदेश गया होता।

मजदूरी के लिए घर से बाहर रहता है पप्पू : इस घटना के बाद पप्पू को आजीवन दूसरी शादी करने की टीस सालती रहेगी। पप्पू ने बताया कि वह अक्सर मजदूरी के लिए घर से बाहर रहता है। पहली पत्नी की मौत के बाद बूढ़ी व मूक बधिर मां के सहारे बच्चियों का पालन-पोषण संभव नहीं था। चूकि पप्पू अपने पिता का इकलौता संतान था, इसलिए घर में कोई और सदस्य भी नहीं था। यही कारण है कि पहली पत्नी की मौत के बाद उसने लोगों के समझाने-बुझाने के बाद दूसरी शादी का फैसला किया था, लेकिन दूसरी पत्नी की करतूत से उसका यह फैसला गलत साबित हो चुका है तथा उसे आजीवन दूसरी शादी की टीस सालते रहेगी।

इशारे इशारों में एक दूसरे को सांत्वना देती रही दादी-पोती

आंचल की मौत से सबसे अधिक पीड़ा उसकी मूक-बधिर दादी व बड़ी बहन रिया को हुई। घटना के वक्त यही दोनों घर पर है, जबकि उसका पिता पप्पू गाजियाबाद में रहने के कारण अभी तक इस दुख की घड़ी में अपने परिवार के साथ शामिल नहीं हो सका है।

एक तरफ मूक-बधिर होने के कारण बूढ़ी दादी कुछ बोल नहीं सकती है तथा वह बहन के लिए तड़प रही रिया को ठीक से सांत्वना भी नहीं दे पा रही थी जबकि यही हाल रिया का था। बहन की मौत से उसे गहरा सदमा पहुंचा है। दरवाजे पर खड़ी भीड़ के बावजूद वह डरी सहमी थी तथा ठीक से कुछ बता नहीं पा रही थी। इस दौरान मूक बधिर दादी व मासूम रिया इशारे-इशारों में एक दूसरे को सांत्वना दे रही थी। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों को अंदर तक झकझोर दे रहा था। दादी की गोद में बैठी रिया शायद यही सवाल पूछ रही थी कि आखिर उसका क्या कसूर है कि पहले भगवान ने उसकी मां को छिन लिया और अब सौतेली मां के कारण छोटी बहन का साथ भी छूट गया है। मूक बधिर दादी व घटना के बाद से चुप्पी साधी रिया का यह मौन सवाल वहां मौजूद लोगों को भी कचोट रहा था। लोग ऐसा कहते सुने गए कि मां की ममता को कलंकित करने वाली शैतान रूपी सौतेली को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

साक्ष्य मिटाने की नीयत से बच्ची के शव को जलाने के बाद बोरे में छिपाने का किया प्रयास

लोमहर्षक घटना: घर में पानी गिराने से नाराज सौतेली मां ने गला दबा की थी मासूम की हत्या

♦ चचेरे दादा ने दर्ज कराया एफआईआर, पूछताछ के बाद पुलिस ने भेजा जेल

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर में जिस मासूम की उसकी सौतेली मां ने गला दबा हत्या की है, उसका कसूर मात्र इतना था कि उससे गलती से घर में पानी गिर गया था। इसी बात से नाराज सौतेली मां ने पहले गला दबा उसकी हत्या कर दी और बाद में साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को जला उसे बोरे में डाल अंधेरे कमरे में पलंग के नीचे फेंक दी थी, ताकी किसी की नजर न पड़े और मौका मिलते ही शव को ठिकाने लगा सके, लेकिन परिजनों व पड़ोसियों की सूझ बुझ से उसकी तरकीब काम नहीं आई।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने महिला पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार कर लिया। वही, शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस मामले में मृतक आंचल के चेचेरे दादा किस्मत गोंड ने नया भोजपुर थाने में उसकी सौतेली मां सीमा देवी के खिलाफ गला दबाकर हत्या करने व साक्ष्य छिपाने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराया है। आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस उसे जेल भेज चुकी है।

सौतेली मां को रास नहीं आ रहा था आंचल का नटखट स्वभाव : आंचल की बड़ी बहन के हवाले से उसके चचेरे चाचा कल्लू गोंड ने बताया कि वह शनिवार की दोपहर पढ़कर आई थी। दोनों बहन घर में खेल रही थी, इसी दौरान चुलबुली स्वभाव की आंचल खेलने के दौरान घर में पानी गिरा दी। इधर उसकी सौतेली मां अक्सर उसके इस स्वभाव से उससे नाराज रहती थी। घर में पानी गिरता देख वह आग बबूला हो उठी तथा आंचल को पकड़ जोर से उसका गला दबा दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह रिया को घर से बाहर खेलने के लिए भेज दी तथा साक्ष्य मिटाने के लिए घर को अंदर से बंद कर शव को जलाने का प्रयास की। इस प्रयास में लगभग 70 से 80 प्रतिशत तक शव जल गया था, लेकिन विलंब होता देख वह अधजले शव को प्लास्टिक के एक बोरे में डाल उसे अंधेरे वाले कमरे में पलंग के नीचे छिपा दी थी तथा घरवालों व अपने पति को फोन कर यह बताई कि आंचल कही गायब हो गई है।

कोरोना की भेंट चढ़ गई थी मां

परिजनों ने बताया कि आंचल के पिता पप्पू की पहली शादी करीब एक दशक पूर्व रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र के डिहरी चकपुरवा गांव की अंशु के साथ हुई थी। अंशु से उसे दो बेटिया रिया व आंचल थी। इसी दौरान कोरोनाकाल में तीसरे बच्चें को जन्म देने के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो गई थी। मूक बधिर मां की सेवा व मासूम बच्चों की परिवरिश के लिए पप्पू ने मार्च 2024 में यूपी के बलिया जिले के कोटवा नारायणपुर की सीमा के साथ दूसरी शादी की थी, लेकिन सीमा उसकी वृद्धा मां व मासूम बच्चों की सेवा के बदले ऐसी टीस दे गई है, जो जीवनभर उसे कचोटते रहेगी। पप्पू फिलहाल दिल्ली एनसीआर में शामिल यूपी के गाजियाबाद में रेलवे के कंस्ट्रंक्शन डिपार्टमेंट में दिहाड़ी करता है। मोबाईल पर केशव टाइम्स संवाददाता से बातचीत करते हुए पप्पू रोते हुए बताया जब वह दोपहर में फोन किया था तो सीमा बोली थी कि बच्चियां सो रही है। उसे क्या पता की वह मेरी बेटी की हत्या कर देगी। घटना की जानकारी के बाद वह गाजियाबाद से चल चुका है।

लापता होने की सूचना पर खोजबीन कर रहे थे परिजन व ग्रामीण : सीमा की बातों को सच मान उसके पट्टीदार तथा अन्य ग्रामीण उक्त मासूम की खोजबीन कर रहे थे, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। इसी दौरान उसकी दादी तथा चचेरे चाचा कल्लू को सीमा पर शक हुआ तथा दोनों उसके घर के कमरो की तलाशी लेने लगे। इस दौरान पलंग के नीचे बोरे में छिपाकर रखा गया उसका अधजला शव मिला। तब जाकर मामले से पर्दा उठा।

काफी विभत्स थी यह घटना

“ घटना की जानकारी मिलते ही रात में ही मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले आरोपिता को महिला पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। मृतका के चचेरे दादा के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। आरोपिता को जेल भेज मामले की पड़ताल की जा रही है। घटना काफी विभत्स है तथा आरोपिता को सजा दिलवाने के लिए पुलिस बारीकी से अनुसंधान करेगी। – **अफाक अख्तर अंसारी**
डीएसपी, डुमरांव

15 फरवरी को बक्सर आएंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कार्यक्रम की हुई घोषणा

केटी न्यूज/बक्सर

♦ सीएम की प्रगति यात्रा के नोटिफिकेशन के बाद तैयारी हुई तेज

प्रगति यात्रा के तहत सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 15 फरवरी को बक्सर आ रहे है। तीसरे चरण के तहत उनके प्रगति यात्रा का कार्यक्रम रविवार को घोषित किया गया। इसके तहत 15 फरवरी को उनका कार्यक्रम बक्सर में तय किया गया है। कार्यक्रम घोषित होते ही प्रशासनिक अधिकारियों में हलचल तेज हो गई है।

हालांकि, बक्सर में वे कहां आएंगे अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन अबतक जिला प्रशासन द्वारा सिमरी अंचल के केशोपुर जल शोध संयत्र के क्रियान्वयन तथा पर्षनपाह पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य में रूचि लेने से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तीसरे चरण के प्रगति यात्रा के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिमरी प्रखंड के केशोपुर व पर्षनपाह पंचायत में ही आएंगे।

सिमरी में बरामद हुई लाखों का शराब, तस्कर फरार

सिमरी। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के पड़री नियाजीपुर मार्ग स्थित सुंदरपुर मोड़ के पास से शराब लदी एक एसयूवी को जब्त किया है। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठा शराब तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस जब्त वाहन के नंबर के आधार पर तस्करों की शिनाख्त में जुट गई है। उक्त वाहन से 43 पेटी में कुल 371.52 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसकी कीमत लाखों रूपए आंकी गई है।

थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि शनिवार की रात गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप के साथ तस्कर नियाजीपुर मार्ग से आ रहे है। इस सूचना पर उन्हें दबोचने के लिए सुंदरपुर मोड के पास पुलिस टीम को तैनात किया गया। लेकिन, शराब तस्करों ने पुलिस टीम को देख कुछ दूर पहले ही गाड़ी रोक अंधेरे का फायदा उठा भाग निकले। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब उक्त एसयूवी की तलाशी ली गई तो उसमें रखा 43 पेटी शराब बरामद हुआ।

पिकअप ने वृद्ध को रौंदा, मौके पर हुई मौत

♦ चक्की पांडेय डेरा मुख्य पथ हुई दुर्घटना

केटी न्यूज/चक्की

चक्की पांडेय डेरा में मध्य रात्रि एक वृद्ध की मौत सड़क हादसे में हो गई। उसे घर के पास ही चक्की मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया, जिससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से दुर्घटना को अंजाम देने वाली पिकअप को जब्त कर लिया है। हालांकि, उसका चालक अंधेरे का फायदा उठा भागने में सफल रहा। पुलिस शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपने के बाद पिकअप के नंबर के आधार पर उसके चालक की पहचान में जुट गई है।

मृतक की पहचान चक्की पांडेय डेरा निवासी 65 वर्षीय दशरथ पांडेय उर्फ भीखारी पाण्डेय के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वे शनिवार की रात कही से आ रहे थे। वे घर के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के बेटे नन्हे पांडेय समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। परिजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया था।

चक्की थानाध्यक्ष संजय पासवान ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। दुर्घटना के बाद पिकअप वैन का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि चालक के पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

स्थानीय विधायक ने घटना पर जताया गहरा दुःख : घटना की जानकारी मिलते ही ब्रह्मपुर विधानसभा से राजद विधायक शंभूनाथ सिंह मृतक के दरवाजे पर पहुंच मातमपुर्सी किए। उन्होंने मृतक के पुत्रों से मिल घटना पर गहरा दुःख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना काफी दुखद है तथा दुख की इस घड़ी में मैं पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।

वसंत पंचमी पर मणियां हाईस्कूल में लड़कियों की जनेऊ संस्कार आज

यहां लड़कियां धारण करती हैं यज्ञोपवित

वरुण कुमार/नावानगर

प्रखंड के एक ऐसा गांव, जहां बसंत पंचमी अर्थात सोमवार को जनेऊ संस्कार का आयोजन होगा। खास यह कि जनेऊ संस्कार लड़कों के बजाय लड़कियों की होगी। गांव के दयानंद आर्य हाई स्कूल में लड़कियों की जनेऊ संस्कार की परंपरा पांच दशक से अधिक समय से चली आ रही है। यहां लड़कियां न सिर्फ स्वेक्षा से जनेउ धारण करती है बल्कि उसका निर्वहन भी बखूबी करती है।

सोचने वाली बात है कि आजकल जहां लड़कों में जनेऊ संस्कार की परंपरा खत्म होती जा रही है, वहीं मणियां के हाई स्कूल में लड़कियां जनेऊ धारण करती हैं। जनेऊ धारण करने में स्कूल की छात्राओं के अलावा आस पास गांव की लड़की भी शामिल होती है। यज्ञोपवित संस्कार के आयोजक सिदेश्वर शर्मा ने बताया कि वसंत पंचमी के दिन अर्थात सोमवार को 6 से अधिक लड़कियों की वैदिक परंपरा के साथ पूरे विधि-विधान से जनेऊ संस्कार किया जाएगा। जिसमें विद्यालय के सीनियर छात्रों के अलावा आस पास गांव की लड़कियां भी होगी।

विद्यालय में मां सरस्वती की नहीं रखी जाती प्रतिमा : वसंत पंचमी के दिन शैक्षणिक संस्थानों पर मां सरस्वती की प्रतिमा रख कर पूजा अर्चना धूमधाम से होती है। पर मणियां हाई स्कूल में वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की प्रतिमा नहीं रखा जाता है। इस दिन इस विद्यालय पर लड़कियों की यज्ञोपवित संस्कार का आयोजन होती है। इस आयोजन में लड़कियां आगे बढ़कर विलुप्त हो रही जनेऊ धारण की परंपरा को जिवंत करते देखी जाती है। अपनी सांस्कृति, सभ्यता व परंपरा को इन लड़कियों से सीख लेनी चाहिए।

मनाही होती है कन्या के द्वारा जनेऊ धारण

हिंदू धर्म में वैसे तो कन्या के द्वारा जनेऊ धारण करने की मनाही है। इसके बावजूद लगभग 6 दशकों से मणियां हाई स्कूल में कन्याओं को जनेऊ संस्कार की यह परंपरा चली आ रही है। यज्ञोपवीत संस्कार करनेवाले आचार्य हरि नारायण आर्य ने कहा कि ऐसा किसी शास्त्र में नहीं लिखा गया कि कन्याएं जनेऊ धारण नहीं कर सकती हैं। लेकिन कुछ कारणों से इस पर रोक है। पर इन छात्राओं ने उसका हल निकाल रखा है। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष वसंत पंचमी के दिन जनेऊ संस्कार होता है, जिसमें छात्राएं वैदिक परंपरा अनुसार जनेऊ धारण करती हैं।

राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्रों का अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

केटी न्यूज/बक्सर

- चार सूत्री मांगों के समर्थन में शनिवार से ही भूख हड़ताल पर डटे हैं सभी छात्र
- तबीयत बिगड़ने पर एक छात्र को पहुंचाया गया अस्पताल

कोईरपुरवा स्थित राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्रों का अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अपने चार सूत्री मांगों के समर्थन में छात्र पूरे दिन धरना देते रहे। इस दौरान उनसे वार्ता करने प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचे।

बता दें कि अंबेडकर कल्याण छात्रावास, कोईरपुरवा को पुनः स्थापित करने। बिहार सरकार की नई छात्रावास नियमावली के अनुसार, पूर्व की भांति 50 छात्रों के लिए इस छात्रावास को पुनः संचालित करने, ताकि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर आवासीय सुविधा मिल सके। जिले के प्रत्येक प्रखंड में अंबेडकर कल्याण छात्रावास बनवाने। धरना पर बैठे छात्रों ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे में सरकार और कल्याण विभाग को चाहिए कि जिले के हर प्रखंड में अंबेडकर कल्याण छात्रावास की स्थापना करें, ताकि छात्रों को उचित शिक्षा एवं आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बालिका छात्रावास का जल्द शुरू हो निर्माण

बालिका छात्रावास का शीघ्र निर्माण करने के मुद्दे पर छात्रों ने कहा कि पांडेय पट्टी स्थित एफसीआई गोदाम के समीप चयनित स्थल पर जल्द 200 सीटों वाले बालिका छात्रावास का निर्माण कराया जाए, ताकि अनुसूचित जाति एवं जनजाति की छात्राओं को भी सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं प्राप्त हो सकें। जबकि छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता कराई जाए, जिससे अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सभी छात्रावासों में सरकार द्वारा तय नियमावली के अनुसार भोजन, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इन चार सूत्री मांगों के समर्थन में ही शनिवार से अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्रों का अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा।

वहीं, दूसरी ओर, छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। रविवार की शाम तक प्रशासन की तरफ से कोई भी अधिकारी उनसे मिलने तक नहीं पहुंचा, जिससे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों में आक्रोश गहराने लगा है। वही एक छात्र के तबीयत खराब होने की जानकारी भी मिली है। छात्रों ने सरकार और जिला प्रशासन से जल्द से जल्द उनकी मांगों को पूरा करने की अपील की है।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में राजीव कुमार, मिथुन कुमार, लक्ष्मण कुमार, विशाल कुमार और निर्भय कुमार सहित कुल 50 छात्र शामिल हैं।

खबरें फटाफट

अजय के दिल्ली में सम्मानित होने पर डुमरांव गौरवान्वित

डुमरांव। नगर के दक्षिण टोला निवासी जलपुत्र के नाम से मशहूर युवा अजय राय को भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस पर दिल्ली कर्तव्य पथ पर परेड देखने के लिए विशेष अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। तत्पश्चात केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित संवाद में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीता रमण पाटिल एवं केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राभूषण चौधरी और राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जल योद्धा आवॉर्ड से सम्मानित किया। वहीं अजय के इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है, उन्हें बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है। इस सम्बन्ध में अजय का कहना है की मैंने जल की समस्या से त्रस्त होकर छात्र जीवन में रहते हुए महज 10 रू. की लागत से खुले नलों से बर्बाद हो रहे पानी को रोकने के लिये टोटी लगाना शुरू किया। फिर फिल्ड में निकल जल संरक्षण अभियान की शुरूआत की। लोगों के द्वारा मेरे इस कार्य को काफी सराहा गया और मुझे उत्साह मिलता गया। मैंने कभी भी कल्पना नही किया था की मुझे इस कार्य के लिए एक केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस तरह के सम्मान से मुझे आगे भी जल संरक्षण के दिशा में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणा परिवार और समाजिक स्तर पर मिलता गया।

ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल के 14 वें वार्षिकोत्सव पर छात्रों ने खूब बिखेरा जलवा

छात्रों को आधुनिक के साथ तकनीकी शिक्षा देना ही हमरा लक्ष्य: दीपक सिंह

केटी न्यूज/नावानगर

- धूम-धाम से संपन्न हुआ विद्यालय का वार्षिकोत्सव, बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम

छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई मां का प्यार, बेटा के संस्कार नाटक को देखकर उपस्थित लोग भावुक हो गए। मौका था स्थानीय प्रखंड के रुपसागर स्थित ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल का 14वां वार्षिकोत्सव का। जहां विद्यालय के छात्रों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इनमें देशभक्ति गीत पर छात्रों ने नृत्य कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना पर कथक नृत्य से किया गया। इसके बाद विद्यालय के पिटारा में मां सरस्वती वंदना पर नृत्य की प्रस्तुति, जिस देश में गंगा रहती है, ले गया ले गया, अरे सुबह दिन आयो, पुष्पराज, राधा नाचे समेत दर्जनों रिर्कोडिंग गीत पर छात्र-छात्राओं ने अपनी नृत्य से खुब बहा बही लूटी। वही मां का प्यार, बेटा के संस्कार के अलावा पिता के त्याग, मदर पेन ओल्ड ऐज नाटक के माध्यम छात्रों ने आज के परिवेश का चरित्र चित्रण किया। साथ ही छात्रों ने प्रार्थना किया कि अपनी सांस्कृति व सभ्यता को ध्यान में रख माता पिता की सेवा करनी चाहिए, न कि बुढ़ापे में उनका त्याग करना चाहिए।

इस वार्षिकोत्सव में शैक्षिक, राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी अनेक जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत किया। रंगारंग कार्यक्रम का उद्घाटन नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि रूपसागर मुखिया ब्रज कुमार सिंह, भटौली मुखिया भोला सिंह, नावानगर मुखिया प्रतिनिधि इजाजुल हक, जिप सदस्य कुसुम देवी, राजीव यादव उर्फ राजू यादव समेत सभी विशिष्ट अतिथियों को विद्यालय के निदेशक दीपक कुमार द्वारा अंग वस्त्र एवं माला देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में थानाध्यक्ष ने कहा कि जीवन में चलते रहना सबसे जरूरी है। चलते हुए विकास करना ही परिवर्तन है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के डायरेक्टर व संचालन विद्यालय के छात्रों ने की। मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मी के अलावा सैंकड़ों अभिभावक मौजूद थे।

बच्चों को आधुनिक व तकनीकी युक्त शिक्षा देना है लक्ष्य : अपने संबोधन में विद्यालय निदेशक दीपक सिंह ने कहा कि उनका उदेश्य छात्रों को आज के दौर की आधुनिक व तकनीकी शिक्षा देकर उन्हें विकसित शहरों व महानगरों के छात्रों के समकक्ष खड़ा करना है। इस उदेश्य के लिए वे स्थापना काल से ही प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का पिछले 13 वर्षो का सफर काफी अच्छा रहा है तथा इस दौरान कई छात्रों ने अपने जीवन में उंचाई को छू विद्यालय के मान को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

कार्यक्रम की झलकियां...

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती स्कूली छात्राएं।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथिगण व अभिभावक।

एक नजर

नरबतपुर में विराट दंगल प्रतियोगिता आयोजित, पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

बक्सर। वसंत पंचमी के अवसर पर महावीरी पूजा समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति रविवार को नगर के नरबतपुर में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय व जिला क्षेत्र के अलावा बिहार व यूपी के विभिन्न क्षेत्रों से आये पहलवानों ने दाव-पेंच का करतब दिखाया और हजारों- हजार के इनाम बटोरे। जहां इन जमावड़ों के बीच चौसा के पहलवानों का खूब दबदबा रहा चौसा के पिंटू, अरमान व आकाश ने अपने प्रतिद्वंदियों को दांव-पेंच से पटकनी दे हजारों के इनाम जीते। इसके अलावा कुश्ती प्रतियोगिया में अखाड़े पर आये अन्य पहलवानों ने अपने दांव-पेच, कला-करतब का प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वंदी पहलवानो को पटकनी दी व हजारो हजार के इनाम बटोरे। इन पहलवानो में चौसा के पिंटू पहलवान कुश्ती मे आकर्षक का केंद्र रहा। पिंटू पहलवान यूपी के वाराणसी के पहलवान के बीच इनामी कुश्ती मुकाबला हुआ। जहा प्रतियोगिता में कई नामी पहलवानों का मुकाबला बराबरी पर छुटा। हालांकि पहलवानों के दांव-पेंच की कला ने दर्शकों को मुग्ध किया। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका सेना के श्रीभगवान पहलवान ने निभायी। आयोजन समिति में दीनबन्धु सिंह, संजय साधु, सतीश यादव, आदि भारी संख्या में ग्रामीण दर्शक उपस्थित थे।

नाराजगी के बाद काम पर लौटे नप सफाई मजदूर, बढ़े दर पर ही मिलेगी मानदेय

डुमरांव। बढ़े दर पर मजदूरी देने को लेकर रविवार को नगर भवन परिसर में मजदूर इकट्ठा हो गए। उनकी मांग थी कि जो मजदूरी दिसंबर 2024 में हुए बोर्ड की बैठक में 503 रूपया पास हुआ है। इसकी हमलोगों ने लंबी लड़ाई लड़ी है, फिर इसमें कामयाबी मिली। जब मजदूरी का रेट बोर्ड ने पास कर दिया है, तो फिर उसी रेट पर मिलना चाहिए। इनका कहना था कि जबतक इसका आश्वासन नहीं मिलता है, तबतक हमलोग काम पर नहीं लौटेंगे। इसकी जानकारी जैसे ही नप अधिकारियों, चेयरमैन और सशक्त स्थायी समिति को मिली सभी भागे-भागे नगर भवन परिसर में पहुंचे। फिर मजदूरों का मान-मन्नोव्वल शुरू हुआ। फिर मजदूरों ने कहा कि हमलोगों के नेता नहीं आएंगे हमलोग काम पर नहीं लौटेंगे। फिर मजदूर सह माले नेता संजय शर्मा को बुलाया गया। सभी ने उनसे अनुरोध किया कि मजदूरों को काम पर भेजा जाएगा। फिर उनके नेता ने कहा कि जो मजदूरी बढ़े हुए दर 503 रूपया किया गया है, उसका भुगतान करने का आश्वासन नहीं मिलेगा तबतक मजदूर काम पर नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि यह मजदूरी फरवरी माह से ही शुरू कर दिया जाए। मौके पर मौजूद उप चेयरमैन विकास ठाकुर सशक्त स्थायी समिति के सदस्य और चेयरमैन प्रतिनिधि के रूप सुमित गुप्ता सभी ने कहा की फरवरी माह से ही बढ़े दर पर मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। फिर उनके नेता ने कहा कि आपलोगों की बात मान ली गई और बढ़ हुए दर पर ही मजदूरी का भुगतान इसी माह से होगा।

अनुमंडल में अपराध का ग्राफ बढ़ा तो की जाएगी कड़ी कार्रवाई : एसडीपीओ

केटी न्यूज/डुमरांव

एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने अनुमंडल के सभी थानों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थानों के थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडों के बारे में चर्चा किया तथा कई अहम निर्देश दिए। बैठक में अपराध नियंत्रण के लिए एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों और पुलिस पदाधिकारियों को अपराध में कमी लाने का कड़ा निर्देश दिया।

एसडीपीओ ने चेतावनी दी कि अपराध का ग्राफ बढ़ा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने थानेदारों की जमकर क्लास लगाई। एसडीपीओ ने रात्रि गश्ती तेज करने और कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। थानों पर पहुंचने वाले हर मामलों को निष्पादित किया करें। थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों के गुंडा पंजी में शामिल अपराधियों की कुंडली भी तैयार कर लें। किसी थाना क्षेत्र में शराब बिकने पर कार्रवाई होगी। क्राइम मीटिंग में एसडीपीओ ने थानेवार लंबित मामले, शिकायतें, लंबित अनुसंधान, गैर जमानती वारंट, नोटिसों का तामिला आदि की समीक्षा की। सभी थानाध्यक्षों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि थाना पहुंचने वाले लोगों के साथ शिष्ट व्यवहार करें। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को शराब तस्करी पर रोक लगाने को कहा। फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजें। शराब की मामले पर कहा कि हर हाल में शराब धंधेबाजों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। मौके पर डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू भगत, कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार, नया भोजपुर ओपी मनीष कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

पूजा को लेकर पुलिस ने निकालो फ्लैगे मार्च

केसठ। वसंत पंचमी सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से करने को लेकर नावानगर पुलिस ने रविवार को फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैगे मार्चे का नेतृत्व नावानगर थानाध्यक्ष नंदु कुमार ने किया। केसठ नया बाजार एवं पुराना बाजार में फ्लैगे मार्च निकाल कर लोगों से शांति पुर्ण तरीके से सरस्वती पूजा करने एवं प्रतिमा विसर्जन करने को लेकर अपील की।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से सरस्वती पूजा करें। ताकि शांति व्यवस्था कायम रहे। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील किया कि अगर किसी तरह की कोई भी व्यक्ति शरारत करते हैं तो स्थानीय प्रशासन को सूचना दें। किसी प्रकार के अफवाहों से दूर रहे।

रेलिंग विहीन पुल पर हादसे को देखते हुए मुखिया ने शुरू कराया रेलिंग निर्माण

केटी न्यूज/केसठ

- रेलिंग नहीं होने के कारण होती रहती थी दुर्घटनाएं

प्रखंड से गुजरने वाली भोजपुर रजवाहा नहर मार्ग पर बने लगभग आधा दर्जन से अधिक पुलों पर सुरक्षा दीवार नही होने से आए दिन वाहन चालक गिर घायल हो रहे है। कई बार स्थानीय लोगों ने इसको ले नहर विभाग को अवगत भी कराया। लेकिन, किसी ने इस ओर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। आखिर विभाग व प्रशासन हादसा होने के बाद ही सुधि लेगा क्या। यह यक्ष प्रश्न सबको सता रहा है।

ज्ञात हो कि नहरों की स्थापना के साथ बने ज्यादातर पुल रेलिंग विहीन हो चुके है। क्षेत्र के कतिकनार पुल पर बढ़ते हादसे को देखते हुए पंचायत के मुखिया द्वारा पुल पर रेलिंग निर्माण का कार्य शुरू कराया गया है। मुखिया द्वारा पुल रेलिंग का निर्माण कार्य शुरू कराए जाने से क्षेत्र के लोगो में काफी उत्साह है। मुखिया ने बताया कि पुल पर कई घटनाएं हो गई। क्षेत्र के लोगों व समाचार पत्रों में कई बार खबर प्रकाशित कर विभाग को अवगत कराया गया लेकिन, किसी ने ध्यान नहीं दिया। बढ़ती घटनाएं व लोगो की समस्या को देखते हुए रेलिंग का निर्माण पंचायत द्वारा कराया जा रहा है।

डुमरांव के लंगटू महावेद मंदीर के समीप खुला आशीर्वाद हेल्थ क्लीनिक, मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

नि:शुल्क मेडिकल कैंप में सैकड़ों मरीजों की हुई जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में आधुनिक सुविधाओं से लैस आशीर्वाद हेल्थ क्लीनिक का उद्घाटन रविवार को किया गया। यह क्लीनिक डुमरांव के स्टेशन रोड में लंगटू महादेव के ठीक सामने वाली गली में खोला गया है। क्लीनिक का उद्घाटन मुख्य चिकित्सक डॉ. कुमार सूरज, सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश कुमार सिंह व मंजू सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके पहले वैदिक विधान व मंत्रोच्चार के साथ इस नये अस्पताल की पूजा की गई।

क्लीनिक संचालक दिनेश प्रसाद केशरी, रमेश प्रसाद केशरी व सुरेश प्रसाद केशरी ने अस्पताल के स्थापना के संबंध में बताया कि इस अस्पताल की स्थापना गरीब मरीजों को सस्ता व उचित इलाज देने के लिए किया गया है। दिनेश ने बताया कि डुमरांव में एक अच्छे फिजिसियन डॉक्टर के आने से मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल में मरीजों के इलाज व जांच के लिए सभी जरूरी आधुनिक सुविधाएं मिलेगी। दिनेश केशरी ने कहा कि अस्पताल का उद्घाटन सेवा भाव से किया गया है।

वहीं, इस दौरान निःशुल्क जांच कैंप का आयोज किया गया। जिसमें डॉ. कुमार सूरज ने सैकड़ों मरीजों का मुफ्त इलाज कर उचित चिकित्सकीय सलाह दिया। इस दौरान संजय कुमार केशरी, वार्ड पार्षद महान तिवारी, पूर्व पार्षद नरसिंह पहलवान, धीरज कुमार, नसीम अख्तर समेत सैकड़ों गणमान्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चतरा में नक्सलियों का आतंक, अपहरण के बाद समाजसेवी की हत्या

चतरा, एजेंसी। जिले में एक बार फिर नक्सलियों ने अपना आतंक दिखाया है। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के लंबुवा गांव निवासी समाजसेवी विष्णु साव की अहले सुबह अपहरण कर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि विष्णु साव जब मवेशी लेकर जंगल जा रहे थे, तभी चार-पांच हथियारबंद नक्सलियों ने उनका अपहरण कर लिया और उनकी हत्या कर दी। शव को टंडवा-बालूमाथ सीमा के जंगल में फेंक दिया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इधर, सूचना मिलते ही एसपी विकास पांडेय, चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन और टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च अभियान तेज कर दिया है। घटना के पीछे पुलिस मुखबिर का शक है।

झारखंड के मुख्य सचिव, बोकारो डीसी समेत ये अधिकारी दिल्ली तलब

बोकारो, एजेंसी। सेंट्रल इंपावर्ड कमेटी (सीइसी) ने बोकारो जिले के तेतुलिया स्थित वन भूमि की प्रकृति बदलने के मामले में विचार करने के लिए छह फरवरी को दिल्ली में बैठक बुलायी है। इसमें झारखंड के मुख्य सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और बोकारो के डीसी सहित अन्य अधिकारियों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है।बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को जमीन से संबंधित दस्तावेज के साथ शामिल होने को कहा गया है। सीइसी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बोकारो के डीएफओ ने तेतुलिया मौजा के प्लॉट नंबर-426 व 450 की 85।87 एकड़ वन भूमि की प्रकृति बदले जाने की जानकारी दी है।यह वन संरक्षण अधिनियम-1980 में निहित प्रावधानों का उल्लंघन है। इस मामले में विचार करने के लिए छह फरवरी को दिल्ली में सीइसी की बैठक बुलायी गयी है। मुख्य सचिव, पीसीसीएफ, बोकारो के डीसी, डीएफओ सहित अन्य को शामिल होने का निर्देश दिया गया है। बैठक की सूचना सुप्रीम कोर्ट के एमिकस क्यूरिया सिद्धार्थ चौधरी, एडीएम राव और झारखंड सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल को भी दी गयी है।

कंटेनर में लगी आग, लाखों के सामान जले, चालक-खलासी ने कूद कर बचायी जान

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के गहिरा स्थित एनएच 19 के कोलकाता लेन पर शनिवार की देर रात करीब एक बजे कंटेनर (एनएल01एजी/4132) में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गयी। इससे कंटेनर का इंजन व उस पर लदे लाखों के सामान जल गये। चालक अरखान अली व खलासी रिजवान अली गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचायी। दोनों मामूली रूप से जख्मी हो गये। कंटेनर दिल्ली से अमेजन कंपनी का सामान लेकर कोलकाता जा रहा था। घटना के बाद कंटेनर चालक ने सूचना गोविंदपुर पुलिस को दी। सूचना पाकर गोविंदपुर थाना के एसआइ दिनेश कुमार मेहता, प्रमोद कुमार मिश्रा, सअनि राजेंद्र राम दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। कुछ देर बाद दो दमकल घटनास्थल पहुंचा। काफी मशक्कत के बाद दमकलों ने आग बुझायी। तब तक कंटेनर का इंजन व उसपर सदे सामान जल चुके थे। कंटेनर चालक अरखान अली ने बताया कि दिल्ली में अमेजन कंपनी का सामान लेकर कोलकाता जा रहे थे। गोविंदपुर के पास इंजन में शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। कुछ ही देर में केबिन पर आग की तेज लपटें उठने लगी। चालक व खलासी ने गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचायी।

बैठक में बीडीओ-सीओ के नहीं आने पर बिफरे बीससूत्री अध्यक्ष

गिरिडीह, एजेंसी। सरस्वती पूजा को लेकर शनिवार को जमुआ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता थाना प्रभारी ने की। बीस सूत्री अध्यक्ष जुनैद आलम ने बैठक में बीडीओ व सीओ के नहीं आने पर रोष जताया। कहा कि इससे अधिकारियों की अगंभीरता का पता चलता है। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने लोगों से सरस्वती पूजा शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। कहा कि पूजा के दौरान डीजे व अश्लील गाना बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। शरारती तत्वों पर नजर रखें और किसी तरह की अप्रिय घटना होने पर तुरंत थाना को सूचित करें। पुलिस कार्रवाई करेगी। उन्होंने प्रतिमा विसर्जन के दौरान नशा नहीं करने की अपील की।बैठक में उप प्रमुख चंद्रशेखर राय, पूर्व मुखिया महेंद्र यादव, चीना खान, मो. कलाम, पंसस गफूर अंसारी, जुल्फिकार अली, संतोष कुमार दास, रोहित दास, महादेव राणा, टुपलाल महतो ने सुझाव दिए। पूजा से सम्बंधित व विसर्जन को लेकर अपना विचार रखे।

अवमानना याचिका पर सुनवाई : वोकेशनल इंस्ट्रक्टर नियुक्ति मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में सरकार के विभिन्न स्कूलों में वोकेशनल इंस्ट्रक्टर पद पर नियुक्त हुए हुए कर्मियों के ग्रेड पे को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को कोर्ट के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर आदेश का अनुपालन नहीं हुआ तो माध्यमिक शिक्षा निदेशक को कोर्ट में उपस्थित होना होगा।

इस मामले में अगली सुनवाई सात फरवरी को होगी। कोर्ट ने निदेशक से पूछा है कि आदेश का अनुपालन नहीं करने पर क्यों नहीं आपके खिलाफ अवमानना का मामला चलाया जाए। इस संबंध में प्रार्थी सुजीत कुमार अन्य की ओर से हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई है।

वर्ष 1993 में प्रार्थियों की विभिन्न स्कूलों में वोकेशनल एजुकेशन इंस्ट्रक्टर के पद पर नियुक्ति हुई थी। केंद्र सरकार के एक अधिसूचना के तहत उनका ग्रेड पे 4800 रुपये कर दिया गया था।

अधिसूचना में यह कहा गया था कि अगर वह (इंस्ट्रक्टर) अहर्ता रखते हैं तो शिक्षकों के समान ही उनका भी ग्रेड पे होगा। लेकिन राज्य सरकार ने उनका ग्रेड पे घटा कर फिर से 4200 रुपये कर दिया था।

कोर्ट ने प्रार्थियों के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। राज्य सरकार की अपील भी खारिज हो गई। अब प्रार्थियों ने कोर्ट के आदेश का अनुपालन करने की मांग की है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की गई है, जो अभी लंबित है।

कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की एकल पीठ एवं खंडपीठ से प्रार्थियों के पक्ष में फैसला आया है। इसलिए कोर्ट के आदेश का अनुपालन किया जाए, नहीं तो माध्यमिक शिक्षा निदेशक कोर्ट में सशरीर उपस्थित होंगे।

नीमडीह प्रखंड के तिल्ला पंचायत भवन परिसर में सुरेन्द्र नाथ सिंह की अध्यक्षता में आदिवासी सामाजिक संगठनों के बुद्धिजीवियों का संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पेसा एक्ट - 1996 पर विशेष चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। आदिवासी संगठन के बुद्धजीवियों की मांग है कि पेसा एक्ट 1996 में निहित मूल 23 प्रावधानों के अनुरूप झारखंड में पेसा नियमावली बने।

सभी आदिवासी सामाजिक संगठन के अगुआ गणों द्वारा एक स्वर में कहा गया कि पारंपरिक ग्राम सभा की शक्ति को कमजोर करने वाली नियमावली स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस मुहिम को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा और लोगों को जागरूक किया जाएगा।

अगर सरकार द्वारा पेसा एक्ट 1996 के सभी 23 प्रावधानों के विपरीत नियमावली बनाया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। जयराम सिंह सरदार, श्यामल मार्डी, निरंजन सिंह सरदार, दिवाकर सोरेन, बाबलू मूर्मू, रविन्द्र सरदार, जगदीश सरदार आदि उपस्थित थे।

पेसा एक्ट 1996 के 23 प्रावधानों के अनुरूप झारखंड

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह प्रखंड के तिल्ला पंचायत भवन परिसर में शुक्रवार को आदिवासी सामाजिक संगठन के बैनर तले बैठक हुई। सुरेंद्र नाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आदिवासी समाज के अगुआ शामिल हुए। इस दौरान पेसा एक्ट 1996 पर विशेष चर्चा की गई। झारखंड के 13 अनुसूचित जिलों में सरकार की प्रस्तावित नियमवाली पर जुबानी जंग छिड़ गई। अधिकतर आदिवासी संगठन के बुद्धजीवियों की मांग है कि पेसा एक्ट 1996 के 23 प्रावधानों के अनुरूप झारखंड में पेसा नियमावली बनाई जाए। हालांकि सरकार ने अभी तक आधिकारिक रूप से ड्राफ्टिंग की गई नियमावली को सार्वजनिक नहीं किया है। अगुवाओं ने कहा कि सरकार की नियमवाली में भूमि वापसी, जमीन अधिग्रहण, खनिज खनन मामले में पारंपरिक ग्राम सभा की शक्ति को कम किया गया है। जो पेसा एक्ट 1996 के नियम संगत नहीं है।

आदिवासी सामाजिक संगठन के अगुआओं ने एक स्वर में कहा कि पारंपरिक ग्राम सभा की शक्ति को कमजोर करने वाली नियमावली स्वीकार नहीं की जा सकती है। सरकार ड्राफ्टिंग की गई पेसा नियमावली को पहले अधिकारिक तौर पर सार्वजिक करे और पारंपरिक ग्रामसभा व आदिवासी बुद्धिजीवियों से सुझाव ले। इसके बाद ही नियमावली पर मुहर लगाई जाए।

पलामू में भी फर्जीवाड़ा कर मंईयां सम्मान योजना का लाभ उठा रहीं महिलाएं, डीसी ने दिया जांच का आदेश

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में भी फर्जी दस्तावेज का उपयोग कर बहुत सारी महिलाएं मंईयां सम्मान योजना का लाभ ले रही है। ऐसी महिलाओं को चिन्हित करने का काम शुरु हो गया है। पलामू के डीसी शशि रंजन ने जांच का आदेश दिया है। पलामू के उपायुक्त शशि रंजन ने सामाजिक सुरक्षा विभाग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को जांच को करने का आदेश दिया है। सभी बीडीओ को निर्देश दिया गया है कि टीम गठित कर हर पंचायत के महिलाओं की डाटा सूची और कागजात की जांच करें।

आदेश के बाद सभी प्रखंडों के बीडीओ ने अपने-अपने प्रखंड में महिलाओं की डाटा की सत्यापन का काम शुरु कर दिया है। एक अधिकारी के अनुसार इस योजना का लाभ लेने के लिए कई महिलाओं ने गलत दस्तावेज का सहारा लिया है। इसकी शिकायत मिलने के बाद जांच की जा रही है।

पलामू जिले में में 3 लाख से अधिक महिलाओं को मंईयां समान योजना का लाभ मिल रहा है। सभी के खाते में 2500 रुपए कि पहले किस्त भी पहुंच गई है। जल्द ही दूसरी किस्त भी सभी के खाते में भेजी जायेगी। जानकारी के मुताबिक अगर कोई महिला गलत तरीके से लाभ ले रही हैं और जांच में उनका नाम सामने आता है, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। साथ ही महिलाओं के राशि की वसूली भी की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि डाल्टेनगंज के एक सीएससी केंद्र से फर्जी कागजात तैयार कर बोकारो जिला में महिलाओं को मंईया सम्मान योजना की राशि दी गई। यूसुफ और सूफनी खातून दोनों ने पलामू के सीएससी (प्रज्ञा केंद्र) से आवेदन किया था। सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से लाभुकों के भौतिक सत्यापन के दौरान इसका खुलासा हुआ है।

झारखंड में बढ़ रहे गुलियन बैरे सिंड्रोम के मामले, एक और संदिग्ध रिम्स में भर्ती

रांची, एजेंसी। गुलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का एक और संदिग्ध मरीज शनिवार को रिम्स में भर्ती कराया गया। कोडरमा के इस मरीज का रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। मरीज के पास न ही आयुष्मान कार्ड है और न ही इलाज के लिए पैसे बचे थे। इसके बाद मरीज को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है।

मरीज के स्वजन ने किसी प्रकार अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह से संपर्क किया, जिसके पश्चात निदेशक प्रो (डॉ।) राजकुमार ने मरीज को निजी अस्पताल से रिम्स में स्थानांतरित करा लिया। अब रिम्स में मरीज का इलाज चल रहा है।

मरीज को शिशु रोग विभाग में भर्ती किया गया है। वर्तमान में मरीज को हाई फ्लो नेजल ऑक्सीजन में रखा गया है। पीडियाट्रिक वेंटिलेटर की व्यवस्था भी की गई है। शिशु रोग विभाग में डॉ। सुनंदा झा की देखरेख में मरीज का इलाज चल रहा है। उसकी महाराष्ट्र ट्रैवल हिस्ट्री है।

उल्लेखनीय है कि बालपन हॉस्पिटल में इस बीमारी से पीड़ित रांची निवासी एक बच्ची का पहले से ही इलाज चल रहा है, उसकी स्थिति ठीक नहीं है।

19 जनवरी से ही उसका इलाज चल रहा है। डॉ। राजेश कुमार की देखरेख में बच्ची का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बच्चे का परिवार कुछ दिन पहले महाराष्ट्र गया था।

रिम्स के न्यूरो सर्जन डॉ। विकास कुमार ने बताया कि गुलियन-बैरे सिंड्रोम एक दुर्लभ और गंभीर तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही तंत्रिका कोशिकाओं पर हमला करने लगती है, जिससे तंत्रिका क्षति हो जाती है।

इसके परिणामस्वरूप मांसपेशियों की कमजोरी और लकवा हो सकता है। यह बीमारी आमतौर पर संक्रमण वायरल या बैक्टेरियल के बाद होती है।

महाकुंभ से लौट रही बस चौपारण में दुर्घटनाग्रस्त, बाघमारा के दर्जनों लोग घायल

धनबाद, एजेंसी। महाकुंभ से बाघमारा लौट रही राहुल बस ने शनिवार सुबह चौपारण थाना क्षेत्र के चौदाहा चेकपोस्ट के समीप खड़े ट्रक में टक्कर मार दी, जिससे बस में सवार 25 लोग घायल हो गये। घायलों में छह महिलाएं शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल महिला प्रमिला देवी को रांची रेफर कर दिया गया है। बस में सवार सभी लोग हरिणा, बेहराकूदर, जोगीडीह तथा सोनारडीह सहित धनबाद व आसपास के रहने वाले हैं। घटना के संबंध में मिला जानकारी के अनुसार प्रयागराज से महाकुंभ स्नान कर लौट रही यात्री बस झारखंड सीमा के चोरदाहा बॉर्डर के समीप सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

सुबह तीन बजे हुए इस दुर्घटना को लेकर घटनास्थल पर अफरातफरी मच गयी। प्रत्यक्षदर्शी राजेश कुमार रजक ने बताया कि घटना के बाद वहां पर लोग तड़प रहे थे, तो उन्होंने अपने वाहन से घायलों को सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया और घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी गयी। इसके बाद एंबुलेंस से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। चौपारण सामुदायिक अस्पताल से लगभग आधा दर्जन घायलों को बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल अस्पताल, हजारीबाग रेफर कर दिया गया। घायलों को आपदा मित्र एंबुलेंस से मदद पहुंचायी गयी।

घायलों में जोगीडीह के निरंजन महतो, हरिणा के अंतु महतो, पातो देवी पति भोला राय, रीता देवी पति निरंजन राय, रेखा देवी पति गिरीश राय, प्रमिला देवी, कांति प्रसाद महतो, मनिया देवी, मापलाल महतो, सोनू महतो, उर्मिला देवी, अमन कुमार, विष्णु मोदक, अमन मोदक, विक्रम महतो, बेहराकूदर के जगत सिंह, बोकारो गोड़ाबाली के चितरंजन सिंह समेत कई अन्य लोग घायल हैं। सभी घायलों का इलाज चौपारण सीएचसी में कराया गया, उसके बाद गंभीर रूप से घायलों को धनबाद और हजारीबाग रेफर कर दिया गया। 27 जनवरी को बस से कुंभस्नान के लिए बाघमारा से प्रयागराज गये थे। घटना की जानकारी मिलने पर सांसद ढुलू महतो ने घायलों के लिए राहत व गाड़ी की व्यवस्था की।

पांच घायल आइसीयू मेंघायलों में हरिणा के अंतु महतो, बेहराकूदर के जगत सिंह, जोगीडीह के निरंजन महतो तथा खोनाठी के कन्हाई महतो तथा उसकी पत्नी उर्मिला देवी आरोग्यम नर्सिंग होम हजारीबाग में आइसीयू में भर्ती हैं। गंभीर रूप से घायल प्रमिला देवी का इलाज रांची रिम्स में चल रहा है। हरिणा की पातो देवी का इलाज धनबाद असर्फी में चल रहा है। बाकी सभी घायल प्राथमिक उपचार के बाद अपने-अपने घर लौट गये।

प्रदेश में पुलिस चला रही स्पेशल अभियान, सामने आई वजह

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस ने अब अफीम की खेती को रोकने, इसे विनष्ट करने व इसके दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए ऑपरेशन चॉकलेट शुरू किया है। इस अभियान के तहत पुलिस आम लोगों के बीच चॉकलेट बांट रही है। उक्त चॉकलेट के उपर मादक पदार्थ को रोकने व कार्रवाई संबंधित अधिनियम वाला पंपलेट लपेटा हुआ है।

चॉकलेट का कवर खोलते ही पहले पंपलेट मिलेगा, जिस पर स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांस एक्ट) की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। इस अभियान के तहत खूंटी पुलिस ने शनिवार को खूंटी के मारंगहादा थाना क्षेत्र के मारंगहादा साप्ताहिक बाजार में उक्त चॉकलेट का वितरण किया।

जिस जगह पर चॉकलेट का वितरण हो रहा था, वहां एक ऑडियो भी बज रहा था। उक्त ऑडियो में अफीम की खेती रोकने, उसके दुष्प्रभाव, उसकी खेती करने पर होने वाली सजा आदि की जानकारी दी जा रही थी।

चॉकलेट के उपर पुलिस ने जो पंपलेट लगाया है, उसपर लिखा है कि अफीम की खेती है कानूनन अपराध, संलिप्त पाए जाने पर होगी गिरफ्तारी। पकड़े जाने पर दस वर्ष से आजीवन कारावास की होगी सजा। एनडीपीएस एक्ट के तहत होगी संपत्ति की जब्ती। अफीम की खेती से आपके स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर।

झारखंड पुलिस चॉकलेट वितरण के साथ लाउड स्पीकर के माध्यम से भी लोगों को जागरूक कर रही है कि अफीम की खेती को ना कहें, नशे के खतरे से भविष्य को बचाएं। इसके खिलाफ अभियान में सहयोग करें।

झारखंड पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान में सहयोग करें। अफीम की खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति खत्म होती है तथा जलस्रोत दूषित होता है। इससे मानव जीवन व मानव स्वास्थ्य पर गंभीर व प्रतिकुल प्रभाव पड़ता है।

यदि आपके निजी खेत में अफीम का फसल लगाया गया है तो आप सभी स्वयं नष्ट कर लें। अफीम की खेती करने वालों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट और पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रविधान है।

अफीम की खेती करने पर आजीवन कारावास की सजा एवं भारी जुर्माना का भी प्रविधान है। अफीम की खेती, परिवहन एवं दुरुपयोग से निपटने के लिए इस गतिविधि में शामिलों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उनकी अर्जित अवैध संपत्ति को भी जब्त किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और बीजेपी नेता दिनेश कुमार को बड़ी राहत, कोर्ट ने इस मामले में किया बरी

चाईबासा, एजेंसी। एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय की न्यायाधीश सुप्रिया रानी तिग्गा ने पांच साल पुराने आचार संहिता उल्लंघन मामले में झारखंड के शिक्षा मंत्री सह पूर्व झामुमो जिलाध्यक्ष रामदास सोरेन और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार को बरी कर दिया है। न्यायालय ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में यह फैसला सुनाया है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान सोनारी थाना में दर्ज कांड संख्या 52/2019 से जुड़ा था।

उस समय रामदास सोरेन झामुमो के जिलाध्यक्ष थे और दिनेश कुमार भाजपा के जिला अध्यक्ष थे। तत्कालीन मजिस्ट्रेट रवि शंकर भारती ने सरकारी खंभे और सरकारी भवनों पर पार्टी का झंडा और बैनर लगाने को लेकर यह मामला दर्ज किया था।

मामले की सुनवाई चाईबासा स्थित विशेष अदालत में चल रही थी। जहां 7 जून 2024 को आरोपों की व्याख्या की गई थी और शुक्रवार को दोनों को बरी कर दिया गया।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा था। कोर्ट के इस फैसले के बाद दोनों नेताओं को बड़ी राहत मिली है। अधिवक्ता अंकुर चौधरी बचाव पक्ष से पैरवी कर रहे थे।

वहीं जमशेदपुर में बागबेड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाले सौरव मंडल जो कि बीते छह माह से जेल में बंद था। उसको शुक्रवार को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई।जानकारी देती हुई अधिवक्ता स्वाति मित्रा ने बताया कि बागबेड़ा निवासी एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था।बागबेड़ा पुलिस ने आरोपित को 29 जुलाई 2024 को जेल भेज दिया था। आरोपित की जमानत के लिए अधिवक्ता स्वाति मित्रा ने हाईकोर्ट में बहस की।

होल्डिंग टैक्स में गड़बड़ी करने वालों की खैर नहीं, रांची नगर निगम करेगा सख्त कार्रवाई, टैक्स कलेक्टरों को भी चेताया

रांची, एजेंसी। होल्डिंग टैक्स में गड़बड़ी करने वालों की अब खैर नहीं है। रांची नगर निगम ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। शनिवार को निगम के उप प्रशासक गौतम साहू ने सभी कर्मियों और श्री पब्लिकेशन के टैक्स कलेक्टरों के साथ बैठक की।

बैठक में उन्होंने साफ निर्देश दिया है कि सभी टैक्स कलेक्टर शहर के एक-एक मकान और प्रतिष्ठान की जांच करें। इसके अलावा टैक्स कलेक्टरों को भी सख्त हिदायत दी गयी है।

रांची नगर निगम के उप प्रशासक ने साफ साफ कहा है कि अगर किसी भवन में आवासीय का होल्डिंग टैक्स देकर उसमें व्यवसाय या किरायेदार रखा गया है, तो ऐसे भवनों पर शत-प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा। बैठक में सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार, सिटी मैनेजर मृत्युंजय कुमार आदि उपस्थित थे।रांची नगर निगम उप प्रशासक द्वारा बुलायी गयी बैठक में गौतम साहू ने कहा कि जिन टैक्स कलेक्टरों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है, वैसे टैक्स कलेक्टरों को प्रोत्साहित किया जायेगा।

वहीं जिन टैक्स कलेक्टरों द्वारा कार्य में कोताही बरती जा रही है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी को निर्देश दिया है कि सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में नियमित रूप से ट्रेड लाइसेंस की जांच करें।

सुभाषितम्

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है - अज्ञात

राष्ट्रपति मुर्मू पर बेचारी लेडी का कटाक्ष दुर्भाग्यपूर्ण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह बयान न केवल गलत है, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क, शालीन एवं शिष्ट रहें। विशेषतः कांग्रेस के नेता अक्सर अपने बोल, बयान एवं भाषा की शिष्टता से चुकते रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन, सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, उससे इस पद की गरिमा को गहरा आघात लगा है। राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को रेखांकित करता है, इसमें राष्ट्रपति की अपनी कोई विशिष्ट विचारधारा नहीं होती, इसलिए विपक्ष चाहे तो नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना कर सकता है, यह उसका अधिकार भी है। वह इस अधिकार का उपयोग करता है और उसे करना भी चाहिए, लेकिन इस लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग राष्ट्रपति के व्यक्तित्व का छिद्रान्वेषण करना कैसे हो सकता है? यह अच्छा नहीं हुआ कि सोनिया गांधी ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें यह कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया गांधी ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें उसे बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था, यह उनकी राजनीति अशिष्टता, अशालीनता, अहंकार एवं अपरिपक्वता का ही द्योतक है। ऐसा लगता है कांग्रेस एवं उनके शीर्ष नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। ऐसे अमर्यादित एवं अशोभनीय आलोचना ने राष्ट्रपति पद की अस्मिता एवं अस्तित्व पर सीधा एवं तीखा आक्रमण कर दिया है। यह आश्चर्य का नहीं बल्कि सर्तकता, समयज्ञता एवं जागरूकता विषय है कि राष्ट्रपति भवन को सोनिया गांधी की टिप्पणी पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करनी पड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी है और कांग्रेस के बयान को न केवल गलत कहा, बल्कि इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी बताया। राष्ट्रपति ने हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन एवं प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति भवन ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने संबोधन के दौरान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विशेष रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब वे और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा से भरी हुए थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वर्गों की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्तव्य का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की हिंदी भाषा की समझ पर भी सवाल उठाए। बयान में कहा गया कि संभवतः ये नेता हिंदी भाषा की लोकोक्तियों और मुहावरों से भली-भांति परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्होंने राष्ट्रपति के भाषण की गलत व्याख्या कर ली। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि ऐसे भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बयानों से बचा जाना चाहिए, जो न केवल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता।

2025-26 का अग्रणी, पथ प्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट

-प्रहलाद सबनानी

दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लोकसभा में बजट पेश किया। श्रीमती सीतारमन ने एक महिला वित्तमंत्री के रूप में लगातार 8वां बजट लोकसभा में पेश कर एक रिकार्ड बनाया है। वित्तमंत्री द्वारा लोक सभा में पेश किया गया बजट अपने आप में पथप्रदर्शक, अग्रणी एवं अतुलनीय बजट कहा जा रहा है क्योंकि इस बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीब वर्ग एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। पिछले कुछ समय से देश की अर्थव्यस्था में विकास की गति कुछ धीमी पड़ती हुई दिखाई दे रही थी अतः विशेष रूप से मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि शेष बच सके ताकि वे विभिन्न उत्पादों को खरीदकर अर्थव्यवस्था में इनकी मांग बढ़ा सकें, ऐसा प्रयास इस बजट के माध्यम से किया गया है। साथ ही, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से रोजगार उन्मुख क्षेत्रों यथा कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, निवेश, निर्यात एवं समावेशी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि इन्हें विकास के इंजिन के रूप में विकसित किया जा सके।

भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया हैं। हाल ही के समय में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में व्यक्तिगत आयकर की भागीदारी कारपोरेट क्षेत्र से आयकर की भागीदारी से भी अधिक हो गई है। अतः मोदी सरकार से अब यह अपेक्षा की जा रही थी कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बजट के माध्यम से कुछ राहत दी जाय। और फिर, मुद्रा स्फीति की सबसे अधिक मार भी गरीब वर्ग के परिवारों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर ही पड़ती दिखाई देती है। केंद्रीय वित्तमंत्री ने मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर की वर्तमान सीमा को 7 लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया है। अर्थात अब 12 लाख रुपए तक की आय अर्जित करने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार का आयकर नहीं लगेगा। वेतन एवं पेंशन पाने वाले नागरिकों को 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड कटौती की राहत इसके अतिरिक्त प्राप्त होगी। इस वर्ग के करदाताओं को 12.75 लाख रुपए

तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं चुकाना होगा। इसके साथ ही, आय कर की दरों में भी परिवर्तन किया गया है। अब 4 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर शून्य रहेगी। 4 लाख रुपए से 8 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर 5 प्रतिशत, 8 लाख रुपए से 12 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 10 प्रतिशत, 12 लाख रुपए से 16 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 15 प्रतिशत, 16 लाख रुपए से 20 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 20 प्रतिशत, 20 लाख रुपए से 24 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर 25 प्रतिशत एवं 24 लाख रुपए से अधिक की कर योग्य आय पर 30 प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा। मध्यमवर्गीय करदाताओं को उक्त सुधारों से लगभग 80,000 रुपए से 1.10 लाख रुपए तक की राशि की बचत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस सुधार से कुल मिलाकर देश के बजट में एक लाख करोड़ रुपए की राशि कम प्राप्त होगी अर्थात मध्यमवर्गीय परिवारों को कुल एक लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का लाभ होगा। और, यह लाभ लगभग 2 करोड़ करदाताओं को होने की सम्भावना है। इससे देश के मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों के हाथों अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी जिसे वे विभिन्न उत्पादों की खरीद पर खर्च करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होंगे। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों ने जितना सोचा था शायद उससे भी कहीं अधिक राहत उन्हें इस बजट के मध्यम से दी गई है। इसीलिए ही, इस बजट को अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट की संज्ञा दी जा रही है। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों को, आयकर में छूट देकर, दी गई राहत देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि इससे बजटीय घाटा में वृद्धि नहीं हो। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रहने की सम्भावना पूर्व में की गई थी, परंतु अब संशोधित अनुमान के अनुसार यह बजटीय घाटा कम होकर 5.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजटीय घाटा 5.4 रहने का अनुमान लगाया गया है। अतः देश की वित्तीय व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने जा रहा है। हां, पूंजीगत खर्चों में जरूर कुछ कमी रही है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च के अनुमान के विरुद्ध 10.18 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11.12 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की व्यवस्था बजट में की गई है। इस राशि को 11.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 लाख करोड़ रुपए किया जाना चाहिए था क्योंकि पूंजीगत खर्च में वृद्धि से देश में आर्थिक विकास की दर तेज होती है और रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। इस संदर्भ में एक रास्ता यह निकाला गया है कि केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ये संस्थान भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि उनके द्वारा किए गए पूंजीगत खर्चों की राशि को मिलाकर कुल पूंजीगत खर्च को 15 लाख करोड़ रुपए से ऊपर ले जाया जाए।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से राज्यों के साथ मिलकर कृषि धन धान्य योजना को 100 जिलों में प्रारम्भ किया जा रहा है, इस योजना के माध्यम से इन जिलों में ली जा रही फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दलहन के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए 6 वर्षीय मिशन चलाया जाएगा।

खिलौने हर देश की सभ्यताओं सांस्कृतिक विरासत को समझने में करते हैं मदद

- किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व में कहीं भी अगर हम खिलौने की बात करें तो अनायास ही बच्चों की काया उभर आती है, खिलौनों को अक्सर बच्चों से संबंधित ही समझा जाता है लेकिन वर्तमान परिपेक्ष में इस शब्द का प्रयोग विस्तृत स्तर पर होता है, यहां तक कि हिंदी अंग्रेजी फिल्मों के नाम भी खिलौना हो चुके हैं।

साथियों बात अगर हम खिलौनों की भारतीय पावन धरती पर करें तो भारत में खिलौनों का प्रयोग अतिप्राचीन और सिंधु सभ्यता के खंडहरों से भी प्राप्त हुए हैं अगर हम सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेषों को देखेंगे तो हमें बोध होगा कि यह हमारी प्राचीन विरासत और सभ्यता से जुड़े हैं। लेकिन हम देखते हैं कि समय के घूमते चक्र ने किस तरह परिस्थितियां बदल कर रख दी और हम सब प्रौद्योगिकी युग में आ गए जहां हर कार्य,व्यवहार डिजिटल हो गया है वहां भला खिलौने क्यों पीछे रहें ! आज खिलौने इस तरह से डिजिटल हो गए हैं, जो पूरी तरह ऑटोमेटिक और प्लास्टिक निर्मित हो गए हैं जो वातावरण के पूर्णता खिलाफ और नुकसान पैदा करने वाले हैं जिन्हें रोकना अत्यंत आवश्यक है उससे नुकसान की हमने कल्पना भी नहीं की हैं।

साथियों बात अगर हमारे स्वदेशी शिल्प, स्वदेशी कला से संजोए खिलौने की करें तो उसमें हमारे देश की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति झलकती है उसे देखकर, उनसे खेलकर आनंद महसूस होता है। उनमें हमारे पूर्वजों की कारीगरी के गुणों का आभास प्रतीत होता है। हमारे भारतीयता की शान हैं। उनके उत्पादन, संग्रहण, बिक्री के लिए उच्च मापदंडों की रणनीतिक रोडमैप नीति बनाने की जरूरत है क्योंकि आज भी हमारी सभ्यता,विरासत के खिलौने विलुप्त नहीं हुए हैं। ग्रामीण स्तरपर पारंपरिक समुदायों द्वारा आज भी बनाए जाते हैं जिसे हम अनेक त्योहारों पर देखते हैं जैसे महाराष्ट्र में पोले के अवसर पर लकड़ी की कारीगरी से बैल का शेप दिया जाता है और छोटे-छोटे बच्चे मर्बोद के दिन घरों, दुकानों पर उसे ले जाकर बौजारा याने अपना पुरस्कार मांगते हैं जो बहुत ही प्राचीन सभ्यता का प्रतीक है जिसे देख कर खुशी होती है। ऐसे ही अनेक अवसरों पर अन्य राज्यों में भी हस्तशिल्पी कारीगरों का प्रचलन होता है जिसे एक प्लेटफार्म प्रदान कर वैश्विक स्तर पर ले जाने की तात्कालिक जरूरत है।

साथियों बात अगर हम देश के पहले इंडिया टॉय फेयर की करें तो पीआईबी के अनुसार इसके उद्घाटन समारोह में माननीय पीएम ने भी कहा था, खिलौनों के साथ भारत का रचनात्मक रिश्ता, क्रिएटिव सम्बन्ध, उतना ही पुराना है जितना इस भूभाग का इतिहास है। सिंधुघाटी सभ्यता, मोहनजो-दारो और हड़प्पा के दौर के खिलौनों पर पूरी दुनिया ने रिसर्च की है। प्राचीन काल में दुनिया के यात्री जब भारत आते थे, वो भारत में खेलों को सीखते भी थे, और अपने साथ खेल लेकर भी जाते थे। आज जो शतरंज दुनिया में इतना लोकप्रिय है, वो पहले चतुरंग या चादुरंगा के रूप में भारत में खेला जाता था। आधुनिक लूडो तब पच्चीसी के रुप में खेला जाता थाकहमारे धर्मग्रन्थों में भी आप देखिए, बाल राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है। गोकुल में गोपाल कृष्ण घर के बाहर अपने मित्रों के साथ कंदुक यानी बॉल से खेलने जाते थे। हमारे प्राचीन मंदिरों में भी खेलों के, खिलौनों के शिल्प को उकेरा गया है। खासकर के तमिलनाडु में, चेन्नई में, अगर आप वहाँ मंदिरों को देखेंगे, तो ऐसे कितने ही उदाहरण देखने को मिलेंगे कि मंदिरों में भी अलग-अलग खेल, अलग-अलग खिलौने, वो सारी चीजें वहाँ आज भी दीवारों पर दिखती हैं।

साथियों बात अगर हम खिलौने और खेल खेलने, बनाने और सीखने पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार की करें तो पीआईबी के अनुसार मुख्य अतिथि शिक्षा राज्यमंत्री ने भी अपने संबोधन में बच्चों के बौद्धिक विकास और उनमें रचनात्मकता पैदा करने और समस्या को सुलझाने के कौशल को निखारने में खिलौनों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीखने-सिखाने के संसाधन के रूप में खिलौनों में अध्यापन कला को बदलने की क्षमता है और खिलौना आधारित शिक्षण का उपयोग माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को सिखाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खिलौने हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं और बौद्धिक व भावनात्मक विकास को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हमारे देश के आत्मनिर्भर होने की यात्रा को सुगम बनाएगा और देश के आर्थिक विकास में योगदान देगा।अपने संबोधन में वेबिनार की समन्वयक और लैंगिक अध्ययन विभाग, एनसीईआरटी की प्रमुख ने इस बात को रेखांकित किया कि खिलौने हमेशा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। उन्होंने प्लास्टिक के खिलौनों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई, जिसका पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव होता है। उन्होंने ग्रामीण और स्वदेशी शिल्प को बढ़ावा देने और स्वदेशी खिलौनों के उद्योग को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया और बच्चों के दुनिया के बारे अलग तरह से सोचने, पुनर्विचार और कल्पना शक्ति को मजबूत करने के लिए खिलौना आधारित शिक्षण पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रति लोगों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया का भी उल्लेख किया और इसका विवरण साझा किया।पहला तकनीकी सत्र विभिन्न सभ्यताओं और संस्कृतियों में खिलौनों पर आधारित था। इसमें पांच पेपर थे जो विभिन्न विषयों पर खिलौनों और खेलों की परंपरा पर प्रस्तुत किए गए और इसमें इतिहास से उदाहरण लेकर आज के दिन से जोड़ा गया।दूसरा तकनीकी सत्र खिलौनों के साथ विभिन्न अवधारणाओं को सीखना, खिलौना आधारित शिक्षण कला पर केंद्रित था। इस सत्र की अध्यक्षता किम इंस्ले, एसोसिएट प्रोफेसर (शिक्षण), पाठ्यक्रम विभाग, शिक्षण कला एवं मूल्यांकन विभाग, शिक्षा संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन ने की। इस सत्र में शिक्षकों और शिक्षकों के प्रशिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए।खिलौना डिजाइन शिक्षा, पाठ्यक्रम और करियर, पर केंद्रित तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता रवि पवैय्या, प्रोफेसर, औद्योगिक डिजाइन केंद्र, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई ने की। विभिन्न डिजाइन संस्थानों के संकाय सदस्यों और एक उद्यमी ने देश में खिलौनों के डिजाइन एजुकेशन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने खिलौना आधारित शिक्षण पद्धति की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग का आह्वान किया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बच्चों के खिलौने हमारे देश की सभ्यताओं, सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं तथा प्लास्टिक खिलौनों के बढ़ते प्रचलन को रोककर स्वदेशी शिल्प, स्वदेशी खिलौनों के उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

नियम कानून के बोझ से दबी भारत की जनता

-सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। पहले नोटबंदी, उसके बाद जीएसटी, उसके बाद कोरोना ने भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पिछले 10 वर्षों से भारत में जिस तरह से नियम और कानून बदले जा रहे हैं। उसके कारण भारत में भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। भारत में लाल फीताशाही ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। जीएसटी कानून में हजारों परिवर्तन सरकार ने समय-समय पर किए हैं।इसी तरह से जब नोटबंदी की गई थी। उस समय भी बार-बार नियमों में बदलाव किया गया। सरकार बहुत सारे बिल मनी बिल के रूप में लेकर आती है। सरकार ने नियमों में जो परिवर्तन किया है। अब संसद में कानून और नियमों पर कोई चर्चा नहीं होती है। जिसके कारण भारत में अराजकता देखने को मिल रही है। नियमों में लगातार बदलाव और एक के बाद एक नये नियम बना देने से भारत में निवेश, उद्योग, व्यापार पर असर पड़ा है।विशेष रूप से लघु उद्योग एवं कारोबार धीरे-धीरे समाप्त होते चले जा रहे हैं।वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में नियम और कानून बड़ी तेजी के साथ बदले गए हैं। 2014 के बाद यह परिवर्तन ओर भी तेजी के साथ होने लगे। सरकार मनी बिल लाकर नियमों में संशोधन करने लगी। जिसके कारण देश में जो नियम और कानून प्रचलित हैं। वह एक दूसरे को ओवरलैप कर रहे हैं। जिसके कारण रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचारपिछले एक दशक में तेजी के साथ बढा है। औद्योगिक प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। नियमों में आए दिन विभागीय स्तर पर बदलाव हो रहा है। जिसके कारण भारत में अराजकता की स्थिति बनने लगी है। इसका फायदा नौकरशाही बड़े पैमाने पर उठा रही है। दुनिया भर के देशों में नियम और कानून के मकडजाल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस अर्जेंटीना जैसे देशों में नियमों और कानून की जटिलता खत्म करते हुए कम से कम नियम बनाने की बात होने लगी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौकरशाही के अधिकार सीमित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने भी अपने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए नौकरशाही और लाल फीताशाही को लेकर कड़े निर्णय लेना शुरू कर दिए हैं। ब्रिटेन की सरकार भी अपने नियम और कानून कम से कम लागू करने की बात करने लगी है।भारत में पिछले 10 वर्षों में ऑनलाइन कारोबार और सर्विस शुरू हुई है।उसके बाद कानून और नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं।ऑनलाइन फॉर्म में गैर जरूरी जानकारी बार-बार मांगी जाती है। सरकारी विभागों में ऑनलाइन के साथ संबंधित विभागों में लिखित दस्तावेज के रूप में भी जानकारी प्रस्तुत करनी होती है। जिसके कारण आम आदमी को दोहरी मार का शिकार होना पड़ रहा है। सारी जिम्मेदारी जनता के सिर पर डाली जा रही है।कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने हाल ही में एक शोध किया है। शोध के परिणाम में कहा गया है, ज्यादा नियम कानून और लाल फीता शाही के कारण जीडीपी में चार फीसदी तक का नुकसान लगभग सभी देशों में देखने को मिल रहा है। पिछले 10 सालों में जिस तरह से दुनिया में वेंचर कैपिटल, कंज्यूमर सेवाओं, ई-कॉमर्स-ई सर्विस,आयात- निर्यात,बैंकिंग एवं तकनीकी के क्षेत्र में जो परिवर्तन आए हैं।

आज का राशिफल

मेष भाग्य साथ देगा और तरक्की होगी। आपको मंगल उत्सवों में शामिल होने का मौका मिलेगा।

तुला आज लाभ से भरा होगा और आपको हर कार्य में किस्मत का साथ मिलेगा।

वृषभ आपका मन किसी शुभ कार्य में लगेगा। कहीं किसी किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

वृश्चिक दिन आर्थिक मामलों में तरक्की से भरा होगा। रुपये-पैसे के मामले में दिन काफी मजबूत है।

मिथुन आज दिन काफी रचनात्मक है और आप बुद्धि के प्रयोग से जो भी काम करेंगे।

धनु सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो आपको लाभ होगा।

कर्क आज भाग्य साथ देगा। दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे।

मकर आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। पार्टनरशिप में किया जाने वाला काम आपको लाभ देगा।

सिंह भाग्य साथ देगा और तरक्की के योग बने हैं। दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है।

कुंभ करियर में लाभ होगा और सफलता प्राप्त होगी। खानपान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

कन्या आज हर काम में संयम और सावधानी रखने की सलाह है। वरना आपका नुकसान हो सकता है।

मीन आज दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम हितकर रहेगा।

विशेष

महाकुम्भ में सेवाभाव की जरुरत

महाकुम्भ 25 में अधिकतर श्रद्धालु अपनी पत्नियों के साथ गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। जिससे उनका रिश्ता अगले सात जन्मों तक ऐसा ही चलता रहे, लेकिन से महाकुंभ को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके कारण पति और पत्नी के बीच तलाक की नौबत बन गई है। 55 वर्षीय पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन किया है। इस मामले में पति नहीं चाहता था, कि पत्नी महाकुंभ में नहाने जाए। इसके बावजूद पत्नी अपनी इच्छा से सहेलियों के साथ प्रयागराज पहुंच गई। जिसके कारण पति नाराज हो गया। उसने फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन भी कर दिया। इसमें उसने लिखा है, कि उसे साध्वी नहीं, ऐसी पत्नी चाहिए जो संजने और संवरने के साथ उसकी इच्छाओं का भी ख्याल रखे। जबकि इस मामले में पत्नी का कहना है, कि उसमें कोई बुराई नहीं है और वो पति के लिए अपनी वेशभूषा में बदलाव नहीं कर सकती है इसमें मैं यदि किसी के बारे में कुछ लिखूंगा तो ठीक नहीं होगा दरअसल इसमें किसी का दोष है तो वो नासमझी का क्योंकि कोई भी शुभ कार्य दोनों के द्वारा नहीं होता है तो शुभ नहीं है लेकिन अब पहले जैसी बात बिल्कुल नहीं है यह बात समाज में गई होगी जिससे पति परेशान होगा और ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ इसमें किसी पक्ष का दोष नहीं है ऐ सिस्टम का दोष है वो जमाना गया जब कोई पतीव्रता स्त्री मिलेगी शादी से पहले सभी एक दूसरे की जीने मरने की कसम खाते हैं बाद में पलट जाते हैं किसी भी पत्नी को जब पति दुनिया में नहीं होता तब यह अहसास होता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1760 सदाशिवराव भाऊ के नेतृत्व में मराठा सेना ने उदगीर की लड़ाई में निजाम को शिकस्त दी। 1830 फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के संरक्षण में यूनान स्वतंत्र हुआ। 1893 इस्पात से निर्मित पहले जहाज डिरिगो का जलावतरण अमरीका में किया गया। 1893 बल्गारिया और तुर्की के बीच युद्ध पुनः भड़क उठा। 1896 बनारस हिंदू विश्वविद्यालय खुला. 1925 मुंबई और कुर्ला के बीच विद्युत चालित रेलगाड़ी शुरू हुई। 1945 अमरीका फौजों ने मनीला पर पुनः कब्जा कर लिया. 1954 इलाहाबाद में कुंभ मेला त्रासदी में पांच सौ से अधिक लोग मरे। 1969 द्रविड मुनेत्र कड़घम के संस्थापक सी. एन.अन्नादुरई का निधन। 1964 चीन ने कम्युनिस्ट जगत में सोवियत संघ के नेतृत्व को चुनौती दी। 1970 कोयला आधारित प्रथम उर्वरक कारखाने का शिलान्यास तालचेर में हुआ। 1977 इथोपिया के राष्ट्राध्यक्ष जनरल तफारी बांटी मारे गए।

दैनिक पंचांग

3 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.16 बजे से
चंद्र	मीन में	मीन	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.19 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.59 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	13.57 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	16.11 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	18.27 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	20.39 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	22.49 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.04 ब.से
7.30 से 9.00		धनु	03.20 बजे से
बजे तक		मकर	05.25 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 34 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 06.53 बजे तदनन्तर षष्ठी 04.38 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 23.17 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 03.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 06.53 बजे, कौलव 17.45 बजे तदनन्तर तैतिल 04.38 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872244 **जूलियन दिन** 2460709.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** शाबान **तारीख** 04 **विशेष** स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बकरियों की बीमारियां 'कारण, लक्षण, बचाव'

फड़किया

यह बकरियों को होने वाला महत्वपूर्ण जीवाणुजन्य रोग है। किसी झुंड को यह रोग विरोधी टीका नहीं लगाया है तो डॉक्टर को बुलाने से पहले ही कई बकरियां परलोक सिधार जाती हैं। यह रोग बरसात में रोगी से फैलता है।

लक्षण

इस रोग से ग्रसित बकरियां अचानक सुस्त तथा कमजोर दिखने लगती हैं। जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न जहर अंतड़ियों में पहुंचने से पेट फूल जाता है। जहर के प्रभाव से बकरी हवा में कूदती हैं और गश खाकर जमीन पर गिर जाती हैं। वह गर्दन पीछे की ओर खींचती हैं और उसके मुंह से झाग आता है। पेट में गैस (वायु) भरने से उसे तेज पेटशूल होता है और उसकी वजह से वह लगातार पैर झटकती है। 7 से 10 दिन के उम्र के मेमनों को खून भरे दस्त होते हैं। बकरी गोल–गोल घूमती है और थर–थर कांपती है इसे हिन्दी भाषा में फड़कन कहते हैं और इसी कारण इस रोग को फड़कियां कहते हैं। अंत में बकरी मर जाती है।

बचाव

बचाव उपाय से श्रेष्ठ होता है अतः फड़किया रोग विरोधी टीके (इंटेरोटॉक्सेमिया वैक्सीन या इटी वैक्सीन) सभी बकरियों को बरसात शुरू होने से पहले ही मई माह के अंत में या ज्यादा से ज्यादा जून के पहले सप्ताह में लगवा लें। गर्भित मादाओं को भी यह टीका लगवा सकते हैं। इससे उसके गर्भाशय में पल रहे बच्चे को भी फड़किया रोग विरोधी ताकत मिलती है। वयस्क बकरियां तथा 6 माह से कम उम्र के मेमनों को यह टीका 2.5 मिलीलीटर मात्रा में चमड़ी के नीचे लगायें। इसके बाद 14 दिन बाद एक और मात्रा (बूस्टर डोज) लगायें। इसके बाद 4 से 4.5 माह में टीका लगवाये। इससे इस रोग विरोधी ताकत 6 हफ्तों तक रहती है। यह टीका हर वर्ष लगवायें।

जहरी बुखार

इसे अंग्रेजी भाषा में एंथ्रेक्स कहते हैं तथा बॅसिल्स अथ्रसिंस नामक जीवाणु के संक्रमण ये यह रोग होता है। इस रोग से ग्रसित बकरियां जल्द ही मर जाती हैं।

लक्षण

इस रोग से ग्रसित बकरियों को तेज बुखार आता है। वे थर–थर कांपती हैं तथा उनमें पेटशूल के लक्षण दिखते हैं। उन्हें सांस लेने में कठिनाई होती है तथा उनके पैरों में जैसे लकवा मार जाता है। इस रोग का प्रमुख लक्षण यह है कि बकरियों के सभी प्राकृतिक छिद्रों से यानि नाक गुदाद्वार, योनिद्वार से खून निकलता है जो काले रंग का होता है और वह जमता नहीं।

बचाव

इस रोग विरोधी टीका (अंटीअथक्स वैक्सीन) बकरियों को बरसात से पहले ही मई माह में लगवा लें।

लंगड़ा रोग

इसे आंग्लभाषा में ब्लैक क्वार्टर कहते हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के संसर्ग से होता है। सभी उम्र की बकरियों को यह रोग हो सकता है तथा किसी भी किस्म का जख्म है तो यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है।

लक्षण

कई बार कोई भी लक्षण नहीं उभरते और बकरियां अचानक मर जाती हैं। इस बीमारी का प्रमुख लक्षण यह है कि अगले या पिछले पुट्ठे पर सूजन आती है। अगर इस हिस्से को दबायें तो चर–चर आवाज आती है क्योंकि जीवाणुओं के संसर्ग से वहां गैस (वायु) भर जाती है। ग्रसित बकरी को 107 डिग्री फरनहीट तक बुखार हो सकता है। बकरी लंगड़ा कर चलती है। उसे भूख नहीं लगती और उसकी चराई कम हो जाती है। वे सुस्त कमजोर होकर मर जाती हैं। यह बीमारी बरसात के शुरुआत में फैलती है तथा 1 वर्ष से कम उम्र के मेमने इस रोग से ज्यादा ग्रसित होते हैं।

बचाव

बरसात शुरू होने से पहले ही इस रोगरोधी टीका (बी क्यू वैक्सीन) बकरियों को लगवा लें। प्रथम 6 माह की उम्र में तथा दूसरी मात्रा 1 वर्ष की उम्र में दें।

गलघोटूं रोग

अंग्रेजी भाषा में इस रोग को हेमोन्हेजिक सेप्टीसेमिया कहते हैं तथा पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के संक्रमण से यह रोग उत्पन्न होता हैं।

लक्षण

इस रोग से ग्रसित बकरियों को तेज बुखार होता है। उन्हें भूख नहीं लगती। वे सुस्त होती हैं तथा उनकी सांसे तेज चलती है। मुंह से लार टपकती है तथा आंखों के किनारे लाल हो जाते हैं। उनके सिर, गले तथा गर्दन में सूजन आ जाती हैं। जीभ लाल होकर बाहर की ओर आती है। उनका दम घुटता है और ग्रसित बकरी 1 से 2 घण्टों में ही मर जाती हैं।

बचाव

इस रोगरोधी टीका (एसएस वैक्सीन) बरसात शुरू होने से पहले ही बकरियों को लगवा लें।

फेफड़ों का शोथ

इसे आंग्लभाषा में सीसीसीपी कहते हैं। यह रोग उमस भरे वातावरण में, बरसात में ज्यादा फैलता हैं तथा 60 से 100 प्रतिशत बकरियां मर सकती हैं।

लक्षण

इस रोग से ग्रसित बकरियों की सांसें तेज होती हैं तथा उन्हें कफ (बलगम) भी होता है। उनकी नाक से पतला स्त्राव बहता है। उन्हें 105 से 106 डिग्री फरनहीट तक बुखार भी आता हैं। वे ठीक से चर नहीं पाती और दुर्बल होकर मर जाती हैं।

बचाव

बकरियों को तेज बरसात तथा ठंड से बचाव करें। उन्हें सूखे बाड़े में रखें। बीमार बकरियों को अलग रखें। ठंड में रात के समय बाड़े में तेज प्रकाश हेतु ज्यादा शक्ति वाले बल्ब लगायें। बकरियों को इस रोगरोधी टीका 0.2 मिली मीटर कान के सिरे पर लगवायें जिससे 1 वर्ष तक रोगरोधी शक्ति मिलती है।

जॉनस रोग

इस रोग से ग्रसित बकरियों दिन–ब–दिन कमजोर होती हैं। पेटभर चटाई के बावजूद वे दुर्बल हो जाती हैं। उन्हें कभी कब्जी होती हैं तो कभी पेचिश होती हैं। मेंगनी श्लेष्मल पदार्थ युक्त, चिपचिपा पतली तथा बदबूदार होती हैं। ग्रसित बकरियों की मृत्यु हो जाती है।

बचाव

इस रोगरोधी टीका बकरियों को लगवा लें। ग्रसित बकरियों को निरोगी बकरियों से अलग कर चारा पानी की अलग व्यवस्था करें। ग्रसित बकरियों की मेंगनी जला दें। साफ–सफाई ज्यादा रखें।

धनुर्वात

यह रोग क्लोस्ट्रीडियम टिटेंनी नामक जीवाणुओं के संसर्ग से होता हैं तथा इसे आंग्लभाषा में टिटनेस कहते हैं।

लक्षण

इस रोग से ग्रसित बकरियों के शरीर में कंपन उत्पन्न होता हैं। उनका शरीर अकड़ जाती हैं। उनके जबड़े की मांसपेशियां भी अकड़ जाता हैं। उनके जबड़े की मांसपेशियां भी अकड़ जाती हैं अतः उनकी हलचल सीमित होकर मुंह से लार बहती हैं। तथा चारा पानी नाक में आ जाता हैं।

उपाय

पशुओं के डॉक्टर द्वारा अंटी–टिटनेस (रोग विरोधी) टीक लगवा लें। बकरियों के जख्मों का उचित इलाज करवायें।

खिल उठेगा गेंदा

पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

उपचार

रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों , कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

उपचार

रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें। गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है।

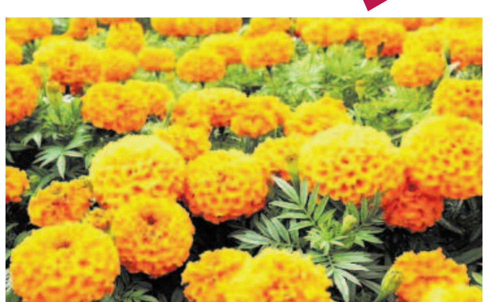

माइट (मकड़ी)

गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

उपचार

इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

बडबोरर (कलिका वेधक)

इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

उपचार

ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)

इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

उपचार

कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10–15 दिन के अंतर में 2–3 बार करें।

बजट 2025 से पर्यटन को पंख, 50 स्थलों का होगा विकास, आमदनी के लिए होम स्टे को बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बुद्ध सर्किट विकसित होने से उत्तर प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, बिहार के बोध गया, राजगीर, वैशाली, एमपी के सांची, महाराष्ट्र के अमरावती, तेलंगाना के नागार्जुनकोंडा जैसे शहर आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में तब्दील होंगे। पर्यटन आधारित रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

देश के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन की सुविधा का विस्तार किया जाएगा। इस आम पर्यटकों को पर्यटन स्थलों में स्थित घरों पर रहने और महंगे होटलों का अच्छा विकल्प उपलब्ध होगा। पर्यटन को रोजगार-आधारित विकास का प्रमुख चालक बनाने के लिए ये फैसला लिया गया। इन स्थलों पर आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए जमीन राज्य सरकारें उपलब्ध कराएंगी। इन पर्यटन स्थलों पर स्थित होटलों को हार्मोनाइज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर मास्टर लिस्ट (एचएमएल) में शामिल किया जाएगा, जिससे उन्हें वित्तीय सहायता और विकास संबंधी सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और यात्रा अनुभव को और बेहतर व सुलभ बनाया जा सकेगा। पर्यटन स्थलों के प्रबंधन में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन दिया जाएगा।

बुद्ध सर्किट विकसित होने से उत्तर प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, बिहार के बोध गया, राजगीर, वैशाली, एमपी के सांची, महाराष्ट्र के अमरावती, तेलंगाना के नागार्जुनकोंडा जैसे शहर आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में तब्दील होंगे। पर्यटन आधारित रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। जापान, वियतनाम, थाईलैंड, श्रीलंका, इंडोनेशिया, मलेशिया, लाओस, सिंगापुर आदि बौद्ध धर्म मानने वाले देशों से लाखों की संख्या में लोग हर साल भारत आकर बौद्ध स्थलों के दर्शन करते हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सरलीकृत ई-वीजा सुविधा और चुनिंदा पर्यटक समूहों के लिए वीजा शुल्क में छूट दी जाएगी। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में क्षमता निर्माण व आसान वीजा नियम लागू किए जाएंगे।

बौद्ध सर्किट और अन्य धार्मिक स्थलों के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने से छोटे शहरों और गांवों की अर्थव्यवस्था सुधरेगी। युवाओं के लिए गहन कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पर्यावरण व जैव विविधता पर जोर

पर्यावरण मंत्रालय को 3,412.82 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह राशि पिछले बजट से 9 फीसदी अधिक है। बढ़े हुए बजट का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और वन आवरण को बढ़ाने जैसे प्रयासों को गति देना है। ग्रीन इंडिया मिशन के लिए आवंटित 220 करोड़ से वन आवरण बढ़ेगा, वन सुरक्षा होगी और जंगल की आग को रोका जाएगा। जैव विविधता संरक्षण के लिए 10 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

20,000 करोड़ का परमाणु ऊर्जा मिशन

परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये के परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की गई है। इसके तहत स्वदेशी रूप से विकसित पांच छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स का विकास किया जाएगा। इन्हें 2033 तक चालू किया जाएगा। मिशन में निजी क्षेत्र को शामिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए सिविल दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे।

बजट 2025 से चीन को चुनौती: खिलौना उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनेगा भारत, बढ़ेगा निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। खिलौना उद्योग के लिए केंद्र सरकार 21 विशिष्ट कार्य बिंदुओं पर कार्य कर रही है। इसके तहत खिलौना उत्पादन के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की जा रही है।

चीन को चुनौती देने के लिए नेशनल एक्शन प्लान के तहत भारत को वैश्विक खिलौना उत्पादन केंद्र बनाया जाएगा। नई योजना मेड इन इंडिया ब्रांड का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले, नए और टिकाऊ खिलौने का उत्पादन करेगा। इससे न सिर्फ आयात की निर्भरता घटेगी बल्कि आयात भी बढ़ेगा। बता दें कि भारत का चीन से खिलौनों का आयात वित्त वर्ष 2013 में करीब 1855 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 2024 में करीब 355 करोड़ रुपये रह गया।

इससे भारत के खिलौना आयात में चीन की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013 में 94 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 64 प्रतिशत रह गई। यह परिवर्तन अंतरराष्ट्रीय खिलौना बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। खिलौना उद्योग के लिए केंद्र सरकार 21 विशिष्ट कार्य बिंदुओं पर कार्य कर रही है। इसके तहत खिलौना उत्पादन के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की जा रही है। इसके तहत खिलौनों पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि, घटिया आयातों पर अंकुश, प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण, खिलौनों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी करना और क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से समर्थन शामिल है।

जलवायु से लड़ने की क्षमता विकसित करने की भी की गई है कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि से जुड़े छोटे उद्योगों को भी लाभ होगा। अगर खेती को मजबूत करना है तो खेती के आगे भी देखना होगा। लोगों को खेती से बाहर निकाल कर दूसरे क्षेत्रों से जोड़ने में भी काफी प्रयास दिखते हैं।

कृषि के लिए काफी प्रोजेक्ट बनाए हैं। पीएम धन-धान्य योजना से पूर्वी भारत के पिछड़े जिलों को काफी लाभ मिल सकता है। जब 100 जिलों को लाभ मिलेगा तो इसके आसपास जिलों को भी लाभ मिलेगा। बजट में घोषित योजनाओं से कृषि उत्पादन, वैल्यू एडिशन, प्रसंस्करण और जलवायु से लड़ने में क्षमता विकसित होगी।

मछली पालन और कपास उत्पादन के फैसलों से भी किसानों को लाभ होगा। कृषि से जुड़े छोटे उद्योगों को भी लाभ होगा। अगर खेती को मजबूत करना है तो खेती के आगे भी देखना होगा। लोगों को खेती से बाहर निकाल कर दूसरे क्षेत्रों से जोड़ने में भी काफी प्रयास दिखते हैं। कृषि में निवेश पहला केंद्र सरकार करती है, दूसरा राज्य सरकार करती है, तीसरा किसान करता है।

हमने मिडिल क्लास की आवाज सुनी, बजट के बाद वित्त मंत्री ने बताई अंदर की बात, कहा- टैक्स को लेकर पीएम की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कल बजट पेश कर दिया है। महिला, किसान टैक्सपेयर्स से लेकर कई क्षेत्रों को मोदी सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट को लेकर एक इंटरव्यू दिया है और बताया कि बजट को लेकर पीएम मोदी ने उन्हें क्या सलाह दी थी।

अब्राहम लिंकन की पंक्तियों का जिक्र करते हुए, निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट को लोगों के लिए, लोगों द्वारा, लोगों का बताया। वित्त मंत्री ने आगे इंटरव्यू में कहा, नरेंद्र मोदी टैक्स में कटौती के विचार के पूरी तरह समर्थन में थे, लेकिन उन्हें नौकरशाह को समझाने में काफी समय लगा।

हमने मिडिल क्लास की आवाज सुनी है जो ईमानदार टैक्सपेयर्स होने के बावजूद अपनी आकांक्षाएं पूरी नहीं होने की शिकायत कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी साल 2024 के दौरान कैपिटल एक्सपेंडिचर थोड़ा धीमा था।

बिहार और दिल्ली पर, सीतारमण ने कहा, आलोचना के अभाव में, वे (विपक्ष) इसे उठा रहे हैं। ये बजट को देखने का तरीका है। सभी को उसका उचित अनुदान मिले। मैं चाहता हूं कि वे डिटेल देखें और फिर वापस

आएं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में मध्यम आय वर्ग के करदाताओं के लिए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को कर-मुक्त करने और स्लैब में सुधार करके अन्य लोगों के लिए कर लाभ की अनुमति देकर बड़ी छूट का एलान किया।

यह व्यवस्था न्यू टैक्स रिजीम में की गई है। इसे सरकार का मिडिल क्लास को सबसे बड़ा तोहफा माना जा रहा है। वित्त मंत्री का कहना है कि इससे खपत को बढ़ावा मिलेगा।

कर्ज के बोझ को कम कर वित्तीय मजबूती की ओर अर्थव्यवस्था, राजकोषीय घाटे में कमी से बढ़ेगी विकास दर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित वित्तीय सेहत को अब फिर से मजबूती देने में सरकार जुट गई है। फाइनेंशियल रिस्पांस्बिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट (एफआरबीएम) एक्ट के तहत सरकार अपने राजकोषीय घाटे को कम करने के साथ कुल कर्ज अनुपात में कमी के लिए प्रतिबद्ध दिख रही है।

बजट में वित्त वर्ष 2030-31 तक कर्ज के अनुपात को जीडीपी के 51 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। चालू वित्त वर्ष में कर्ज का अनुपात 57.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि कर्ज का अनुपात जीडीपी की विकास दर पर भी निर्भर करेगा।

अगर चालू मूल्य पर जीडीपी विकास दर अगले पांच साल में 11 प्रतिशत रहती है तो वित्त वर्ष 2030-31 में कर्ज का अनुपात जीडीपी के 48 प्रतिशत तक जा सकता है। कर्ज में कमी और राजस्व में बढ़ोतरी से राजकोषीय घाटे में भी लगातार कमी आएगी।

चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 प्रतिशत तो आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में यह 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 56.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बजट घोषणा के मुताबिक आगामी वित्त वर्ष में कुल टैक्स राजस्व 42.70 लाख करोड़ रहने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के मुकाबले 10.8 प्रतिशत अधिक है। 42.7 लाख करोड़ में 25.20 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर से आने का अनुमान है।

पीरामल इंटरप्राइजेज के मुख्य अर्थशास्त्री देबोपम चौधरी के मुताबिक बजट के राजकोषीय प्रबंधन से ऋण बाजारों को लाभ होना चाहिए। वित्त वर्ष 2026 में विकास दर 6.8 प्रतिशत या उससे कम रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

कोई भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था कोरोना के बाद इस गति से राजकोषीय घाटे को कम करने में सक्षम नहीं रही है। भारत की स्थिति मजबूत हुई है। कर कटौती से भारत के विशाल मध्यम वर्ग और महत्वाकांक्षी आबादी को अतिरिक्त आय उपलब्ध हुई है।

केंद्रीय बजट में सुरक्षा संबंधित व्यय (एसआरई) और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष बुनियादी ढांचा योजना के लिए 3,481.27 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, क्योकि केंद्र ने नक्सली समस्या को खत्म करने के लिए मार्च 2026 का लक्ष्य रखा है। 2024-25 के बजट में इस मद में 2,463.62 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी।

उबर, ओला में काम करने वालों को मिली सामाजिक सुरक्षा, ई-श्रम पंजीकरण व हेल्थ कवर जैसी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। आम बजट में ऑनलाइन प्लेटफार्म से जुड़े एक करोड़ गिग वर्कर्स का भी ध्यान रखा गया है। वित्त मंत्री निर्मता सीतारमण ने इनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजना की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार इन्हें पहचान पत्र देने के साथ ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करेगी। इससे गिग वर्कर्स को विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं का फायदा मिल सकेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के गिग वर्कर्स नए दौर की सेवा अर्थव्यवस्था को काफी गतिशीलता प्रदान करते हैं। उनके योगदान को देखते हुए सरकार उन्हें कई योजनाओं से जोड़ेगी। पहचान पत्र और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के अलावा इन कर्मचारियों को पीएम जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य देखभाल मुहैया कराई जाएगी। असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के पंजीकरण और सहायता के लिए अगस्त 2021 में ई-श्रम पोर्टल लांच किया गया था। इसमें पंजीकरण के बाद उन्हें एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) मिलता है और उनकी जानकारी का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार होता जा रहा है। 27 जनवरी 2025 तक पोर्टल पर 30.58 करोड़ असंगठित कामगारों ने पंजीकरण करा लिया था। अब तक विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाएं ई-श्रम से जोड़ी जा चुकी हैं।

फैसले का स्वागतभारतीय मजदूर संघ ने कहा कि बजट में इस घोषणा से गिग और प्लेटफार्म वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा ढांचे में मान्यता और जुड़ाव सुनिश्चित होगा। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत शामिल करना कर्मचारी कल्याण की दिशा में सराहनीय कदम है। सामाजिक सुरक्षा कोड 2020 के अनुसार, गिग वर्कर वह व्यक्ति है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध से अलग काम या गतिविधियों के जरिये कमाई करता है। इनमें उबर, ओला, स्विगी, जोमैटो समेत अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्म से जुड़े व्यक्ति भी शामिल हैं।

मखाना किसानों के लिए खुशखबरी, सरकार ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार के मखाना किसानों के लिए बड़ा ऐलान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि मखाना के उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यु एडिशन और मार्केटिंग में सुधार के लिए बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इस काम में लगे लोगों को एफपीओ के रूप में संगठित किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा, बिहार के लोगों के लिए एक विशेष अवसर है। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में एक मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025-26 पेश करते हुए कहा, मखाना किसानों को सहायता और प्रशिक्षण सहायता और यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया जाएगा कि उन्हें सभी प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का फायदा मिले।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पीएम धन धान्य कृषि योजना कृषि जिलों का विकास कार्यक्रम है। हमारी सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में पीएम धन धान्य कृषि योजना शुरू करेगी। मौजूदा योजनाओं और विशेष उपायों के अभिसरण के माध्यम से, कार्यक्रम कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को कवर करेगा। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक उत्पादकता को बढ़ाना है।

कपडे पर मिनिमम इंपोर्ट डयूटी फिक्स होने से बागोबाग हुई हौजरी इंडस्ट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में कपडे पर मिनिमम इंपोर्ट डयूटी फिक्स करने का जो फैसला लिया गया है, उससे हौजरी इंडस्ट्री बागोबाग नजर आ रही है। यहां बताना उचित होगा कि इससे पहले कपडे पर मिनिमम इंपोर्ट डयूटी 10 से 20 फीसदी थी, जिसे बढाकर 20 फीसदी फिक्स कर दिया गया है। इसी तरह कपडे पर मिनिमम इंपोर्ट डयूटी के लिए 115 रूपए किलो की लिमिट भी तय कर दी गई है। जिसे लेकर इस फील्ड से जुडे लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार की घोषणा से देश खासकर पंजाब व लुधियाना की हौजरी इंडस्ट्री को काफी बूस्ट मिलेगा।

अब से पहले तक मिनिमम इंपोर्ट डयूटी काफी कम होने कारण बाहर से अंडर बिलिंग करके जो कपडा इंडिया में आ रहा था। उसका सीधा असर पंजाब व लुधियाना की हौजरी इंडस्ट्री की प्रोडकशन पर पड़ रहा था। लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कपडे पर मिनिमम इपोर्ट डयूटी में इजाफा करने के फैसले से डोमेस्टिक हौजरी इंडस्ट्री को किक मिलेगी।

इसके साथ पंजाब व लुधियाना की हौजरी इंडस्ट्री में कपडे का उत्पादन बढने से स्टेट को जी एस टी कलेक्शन के रूप में भी फायदा होगा। (चंद्रमोहन जैन, सी मोहन इंटरनेशनल)

केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कपडे पर मिनिमम इंपोर्ट डयूटी फिक्स करने के फैसले से पंजाब व लुधियाना की हौजरी इंडस्ट्री को फिर से पैरों पर खडे होने में बडी मदद मिलेगी, जो हौजरी इंडस्ट्री अब तक मिनिमम इंपोर्ट डयूटी काफी कम होने की आड में बाहर से अंडर बिलिंग के रूप में आ रहे कपडे की वजह से काफी कमजोर हो गई थी। -(राहुल वर्मा, डायरेक्टर पंजाब डायर्स एसो.)

कपडे की इंपोर्ट पर मिनिमम एक्सपोर्ट डयूटी फिक्स होने से देश भर के अलावा पंजाब व लुधियाना की हौजरी के साथ धागा व डाइंग इंडस्ट्री को फायदा होगा। क्योंकि कपडे का उत्पादन बढने से इन सब केटेगरी की इंडस्ट्री के बिजनेस में इजाफा होगा और कपडे की ट्रेड में हेल्दी कंपीटीशन होने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। -(दर्शन गाबा, गाबा गारमेंट)

कपडे की इंपोर्ट पर मिनिमम एक्सपोर्ट डयूटी फिक्स करने संबंधी केंद्र सरकार द्वारा बजट के दौरान लिए गए फैसले से फैसले से जहां पंजाब व लुधियाना की मौजूदा हौजरी इंडस्ट्री को बडा लाभ होने जा रहा है। वहीं, इससे नए यूनिट लगाने की संभावना बढ गई है और उसके चलते सभी वरगों के लिए नए रोजगार के मौके पैदा होंगे।

महिला अंडर-19 टी-20 विश्व कप

चैंपियन भारत का रहा दबदबा, पूरे टूर्नामेंट में रहे अजेय

खिलाड़ी	मैच	रन	औसत	स्ट्राइक रेट
गोंगाड़ी त्रिशा	7	309	77.25	147.14
डेविना सारा	5	176	35.20	135.38
जी कमालिनी	7	143	35.75	104.38
केयोइमे ब्रे	6	119	29.75	96.75
जेम्मा बोथा	6	105	26.25	123.53

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर लगातार दूसरी बार महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। मलयेशिया के कुआलालंपुर के बेयूमास ओवल स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में निकी प्रसाद की टीम इंडिया ने नौ विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले 2023 में शेफाली वर्मा की टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। इस पूरे टूर्नामेंट में भारत का दबदबा दिखा है। भारत ने सात में से सात मैच जीते और टीम अजेय रही। पिछली बार ऐसा नहीं हुआ था। 2023 में भारतीय टीम ने सात में से छह मैच जीते थे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-सिक्स में हार का सामना करना पड़ा था।

भारत को ग्रुप-ए में रखा गया था

निकी प्रसाद की टीम ने सात में से सात मैच अच्छे अंतर से जीते। इस दौरान टीम इंडिया ने सात में से पांच मैच आठ या इससे ज्यादा विकेट से जीते, जबकि दो मैच 60 या इससे ज्यादा के अंतर से जीते। यानी भारत के सभी मुकाबले लगभग एकतरफा रहे। भारत को ग्रुप-ए में वेस्टइंडीज, मलयेशिया और श्रीलंका के साथ रखा गया था। 19 जनवरी को अपने पहले मैच में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से शिकस्त दी थी। वहीं, 21 जनवरी को दूसरे मैच में मलयेशिया को 10 विकेट से रौंद दिया था। 23 जनवरी को अपने तीसरे और आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने श्रीलंका को 60 रन से हराया था।

सुपर सिक्स में भी शानदार प्रदर्शन

सुपर सिक्स में भारत का सामना बांग्लादेश और स्कॉटलैंड से हुआ। टीम इंडिया ने बांग्लादेश को सुपर सिक्स के मैच में आठ विकेट से शिकस्त दी। फिर स्कॉटलैंड को 150 रन से रौंद दिया। टी20 मुकाबले में 150+ रन की जीत बड़ी जीत होती है। इस तरह भारत ने लगातार पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

सेमीफाइनल और फाइनल में एकतरफा जीत

सेमीफाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से हुआ। भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में आठ विकेट पर 113 रन के स्कोर पर रोक दिया। फिर 15 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया। इस तरह टीम इंडिया लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की टीम थी, जिसने अपने पिछले छह में से पांच मैच जीते थे। हालांकि, भारत की बेटियां कहां रुकने वाली थीं। उन्होंने 2023 की तरह एक बार फिर विपक्षी टीम को 100 रन के अंदर रोक दिया और फिर नौ विकेट से जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 82 रन पर सिमट गई। भारत ने 11.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

टूर्नामेंट में टॉप स्कोरर- गोंगाड़ी त्रिशा

भारत के लिए इस टूर्नामेंट में गोंगाड़ी त्रिशा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वह टीम इंडिया का उभरता हुआ सितारा बनकर सामने आई हैं। त्रिशा ने सात मैचों में 77.25 की औसत और 147.14 के स्ट्राइक रेट से 309 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल है। वह टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। यहां तक कि 2023 में भारत की शीर्ष स्कोरर रहीं श्वेता सहरावत ने भी 297 रन बनाए थे। गोंगाड़ी को फाइनल मैच में नाबाद 44 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। वहीं, उनकी साथी ओपनर जी कमालिनी ने सात मैचों में 35.75 की औसत और 104.38 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में तीसरे स्थान पर रहीं। शीर्ष पांच में भारत की दो बल्लेबाज रहीं।

ग्रुप स्टेज (ग्रुप-ए)

19 जनवरी- भारत ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया।
21 जनवरी- भारत ने मलयेशिया को 10 विकेट से हराया।
23 जनवरी- भारत ने श्रीलंका को 60 रन से हराया।

सुपर सिक्स

26 जनवरी- भारत ने बांग्लादेश को 8 विकेट से शिकस्त दी।
28 जनवरी- भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रन से शिकस्त दी।

सेमीफाइनल

31 जनवरी- भारत ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया।

फाइनल

2 फरवरी- भारत ने दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से शिकस्त दी।

टूर्नामेंट में शीर्ष गेंदबाज

वहीं, गेंदबाजी में भारत का दबदबा दिखा। टूर्नामेंट की शीर्ष पांच विकेट लेने वाली गेंदबाजों में भारत की तीन गेंदबाज रहीं। वैष्णवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने छह मैचों में 17 विकेट झटके और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में पहले स्थान पर रहीं। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 3.36 का रहा। उनके अलावा आयुषी शुक्ला ने सात मैचों में 14 विकेट झटके। उनका इकोनॉमी रेट 3.02 का रहा। पारुनिका सिसौदिया छह मैचों में 10 विकेट के साथ सूची में चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट में 2.72 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की।

लीजेंड-90 लीग 6 फरवरी से रायपुर में शुरू होगी

ओपनिंग मैच में रैना और धवन आमने-सामने, 7 टीमें खेलेंगी टूर्नामेंट

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में लीजेंड-90 लीग की शुरुआत 6 फरवरी से होने जा रही है। ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट की शुरुआत छत्तीसगढ़ वॉरियर्स और दिल्ली रॉयल्स के बीच मुकाबले से होगी। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन इस मुकाबले में शामिल होंगे। टूर्नामेंट की खास बात यह है कि इसमें 90 बॉल की एक पारी होगी।

7 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 7 फरवरी -से टूर्नामेंट में हर दिन 2 मैच खेले जाएंगे। 17 फरवरी को क्वालिफायर मैच होंगे। वहीं 18 फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। 7 फरवरी को राजस्थान किंग्स और दुबई जायंट्स के बीच पहला मैच होगा। वहीं गुजरात सैंपआर्मी और बिग बॉयज के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा।

क्या बोले टूर्नामेंट के डायरेक्टर

कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए लीजेंड 90 लीग के डायरेक्टर शिवेन शर्मा ने कहा, सुरेश रैना, शिखर धवन, हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियों को एक बार फिर मैदान पर देखना रोमांचित करने वाला है। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि पूर्व दिग्गजों से जुड़ी उन यादों को दोबारा जिंदा करने का मंच है, जिस पर दर्शक कभी तालियां बजाया करते थे। निश्चित तौर पर यह सभी के लिए अनोखे प्रारुप वाला टूर्नामेंट होगा।

सभी टीमें और खिलाड़ी

दुबई जायंट्स – शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस प्रसन्ना

छत्तीसगढ़ वारियर्स– सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केविन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकूजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स– पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चाडविक वाल्टन, मनन शर्मा।

गुजरात सैंप आर्मी– युसुफ पठान, मोइनी अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर ज़ाद्रान, मोहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, अभिषेक, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान।

बिग बॉयज – मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया।

दिल्ली रॉयल्स– शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्का गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रयाद इमरीत, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना।

राजस्थान किंग्स– ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज़ फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, शमीउल्लाह शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी।

बीसीसीआई ने तेंदुलकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया

बुमराह और मंधाना बेस्ट क्रिकेटर, सरफराज को बेस्ट डेब्यू, अश्विन को स्पेशल अवॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने शनिवार को खिलाड़ियों को 2नमन अवॉर्ड्स3 दिए। इस दौरान सचिन तेंदुलकर को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। मुंबई में बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में अवॉर्ड सेरेमनी हुई।

रविचंद्रन अश्विन को स्पेशल अवॉर्ड मिला, वहीं जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को बेस्ट क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला। सरफराज खान को बेस्ट मेंस डेब्यू और आशा शोभना को बेस्ट विमेंस डेब्यू का अवॉर्ड मिला। विमेंस क्रिकेट में मंधाना बेस्ट बैटर और दीप्ति शर्मा बेस्ट बॉलर रहीं। घरेलू क्रिकेट में शशांक सिंह को बेस्ट व्हाइट बॉल ऑलराउंडर और तनुष कोटियान को बेस्ट रेड बॉल ऑलराउंडर का अवॉर्ड दिया गया।

सचिन बोले- 2 साल बगैर स्पॉन्सर के खेला – सचिन ने कहा, इस सम्मान के लिए बीसीसीआई का धन्यवाद। बोर्ड ने हमेशा अपने प्लेयर्स को सपोर्ट किया है। 1989 में मैं 16 साल का था, आज अश्विन ने मुझे 'सर सचिन' कहा तो मुझे अपनी उम्र का एहसास हुआ। शुरुआती मैच में कपिल पाजी ने मुझे लेट नहीं होने के लिए कहा था। तब से मैं अपनी घड़ी को 7-8 मिनट आगे कर के रखता हूं, ताकि कहीं भी लेट न जाऊं। उनका लेसन हमेशा याद रहेगा।

2 साल तक मैंने बगैर बैट स्पॉन्सर के काम क्रिकेट खेला, क्योंकि तब तम्बाकू कंपनियां स्पॉन्सरशिप ऑफर कर रही थीं। तब पापा ने कहा था कि भले ही बिना कॉन्ट्रैक्ट के खेलो, लेकिन खराब कंपनियों को अपने साथ न जोड़ो। तब से मैंने किसी भी तम्बाकू कंपनी की स्पॉन्सरशिप नहीं ली। अपनी सारी खुशियों को अपने पिता और अपने परिवार के साथ शेयर जरूर किया है।

सचिन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2011 वनडे वर्ल्ड कप में भारत के टॉप रन स्कोरर रहे सचिन तेंदुलकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने देश के लिए 100 इंटरनेशनल सेंचुरी लगाई। उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी है।

वर्ल्ड कप विनिंग मेंबर्स को स्पेशल गिफ्ट – 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले प्लेयर्स को सेरेमनी में स्पेशल गिफ्ट दिया गया। यहां रोहित बोले- जब तक हम मुंबई नहीं पहुंचे तब तक मुझे एहसास नहीं हुआ कि वर्ल्ड कप जीतने पर लोग कैसा महसूस करते हैं। हम बारबाडोस में कुछ दिन फंसे हुए थे। मुंबई पहुंचने के अगले दिन जब मेरी नींद खुली, तब मुझे एहसास हुआ कि यह कितना स्पेशल था।

अश्विन ने कहा- सचिन के साथ खेलना मेरा सौभाग्य – अश्विन ने अवॉर्ड मिलने के बाद कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि ग्रेट सचिन तेंदुलकर के साथ खेल सकूंगा। चेन्नई के एक मिडिल क्लास लड़के के लिए सचिन सर के साथ खेलना बहुत बड़ी बात थी। क्रिकेटर के रूप में मेरा सफर खुद को इम्प्रूव करने का ही रहा।

मुझे मैदान पर रहना पसंद है, मैं इस गेम को किसी भी तरह नहीं छोड़ सकता। आईपीएल आने वाला है, मैंने उसके लिए तैयारी करना शुरू कर दी है। मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया है, लेकिन मेरा मन कभी क्रिकेट से दूर नहीं रह सकता।

अश्विन को स्पेशल अवॉर्ड– 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्विन को बीसीसीआई ने स्पेशल अवॉर्ड दिया। वे टेस्ट में भारत के दूसरे टॉप विकेट टेकर रहे।

बुमराह को पॉली उमरीगर अवॉर्ड– जसप्रीत बुमराह को आईसीसी ने 2024 में बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर और बेस्ट टेस्ट क्रिकेटर का अवॉर्ड दिया। अब बीसीसीआई ने भी उन्हें अपना बेस्ट इंटरनेशल क्रिकेटर माना। बुमराह ने 2024 में 86 इंटरनेशनल विकेट लिए।

मंधाना बेस्ट विमेंस क्रिकेटर – स्मृति मंधाना को बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला। उन्होंने चौथी बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया।

सरफराज खान को बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड

आशा शोभना को बेस्ट विमेंस डेब्यू अवॉर्ड

मंधाना बेस्ट वनडे बैटर

दीप्ति शर्मा बेस्ट वनडे बॉलर

जेमिमा ने पैरेंट्स के लिए गाना गाया – रोहित शर्मा ने जेमिमा रोड्रिग्ज से सवाल किए। जेमिमा ने अपने पैरेंट्स के लिए 'तेनु संग रखना' गाना गाया। उन्होंने कहा, मुझे गिटार बजाना पसंद है। भारत में विमेंस क्रिकेट जिस तरह से ग्रो कर रहा है, मुझे यह पसंद है।

रोहित बोले- मुंबई की पानी-पुरी पसंद – स्मृति मंधाना ने रोहित शर्मा से सवाल किए। रोहित ने कहा, मुझे बेटी को स्कूल ले जाना पसंद है। बेटी के साथ दादी के घर जाना पसंद है। समायरा वहां जाकर खुश रहती है। मुझे जंगल सफारी करना पसंद है। साथी प्लेयर्स को मेरे भूलने की आदत पसंद नहीं है। मुझे घर का खाना पसंद है, विदेश जाने पर मुझे इसी खाने की बहुत ज्यादा याद आती है। स्ट्रीट फूड में सेवपुरी, पानीपुरी पसंद है।

मंधाना बोलीं- मुझे पंजाबी गाने नहीं पसंद – हार्दिक पंड्या ने स्मृति मंधाना से सवाल किए। मंधाना ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मेरा फैशन सेंस बहुत अच्छा है। क्योंकि मैं कई बार शॉर्ट्स में ही घूमने निकल जाती हूं। जेमिमा ही मेरी फैशन इंस्पिरेशन हैं। मुझे वही गाने पसंद आते हैं, जिसमें प्यार या इमोशन होते हैं। इसलिए ज्यादातर प्लेयर्स इसे पसंद नहीं करते। पंजाबी गाने मुझे कुछ खास पसंद नहीं है।

एसए-20 ईस्टर्न केप ने पार्ल रॉयल्स को हराया

जॉर्डन हरमन का अर्धशतक, यानसन और ओवरटन ने 3-3 विकेट लिए

नईदिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने खेले गए एसए 20 के 28वें मैच में पार्ल रॉयल्स को 48 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्टर्न केप ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए। जवाब में पार्ल रॉयल्स 18.2 ओवर में 100 रन पर सिमट गई।

जॉर्डन हरमन ने 38 बॉल पर 53 रन बनाए – ईस्टर्न केप ने 148 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए जॉर्डन हरमन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 43 रन का अहम योगदान दिया। पार्ल रॉयल्स के लिए ब्योर्न फोर्टुइन, मिचेल ओवेन और ईशान मलिंगा ने 2-2 विकेट लिए। दुनिथ वेल्लालेज को एक विकेट मिला।

रॉयल्स के 8 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके

149 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पार्ल रॉयल्स के लिए रुबिन हरमन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए।एंडिले फेहलुकवायो ने 22 और मुजीब उर रहमान ने 11 रन बनाए। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा टीम का कोई और बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। ईस्टर्न केप के लिए मार्को यानसन और क्रेग ओवरटन ने 3-3 विकेट झटके। ऐडन मार्करम ने 2 विकेट लिए। लियाम डावसन और रिचर्ड ग्लीसन को 1-1 विकेट मिला।

- **टूर्नामेंट के प्लेऑफ तीन स्थानों पर होंगे** – ग्रुप स्टेज के बाद टॉप-2 टीमें क्वालिफायर-1 खेलेंगी। इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। यह मुकाबला सेंट जॉर्ज पार्क में खेला जाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होगा। इस एलिमिनेटर मुकाबले को जीतने वाली टीम क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम से क्वालिफायर-2 में भिड़ेगी। यह दोनों मैच सेंचुरियन में खेले जाएंगे।
- **एसए-20 के शुरुआती दोनों सीजन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जीते** – इस लीग के शुरुआती दोनों सीजन ऐडन मार्करम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम ने जीते हैं। पहले सीजन में ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। जबकि पिछले सीजन टीम ने डरबन सुपर जायंट्स को फाइनल में मात देकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी उठाई।

अब यश की शोहरत पर टिका कियारा का करियर, इसलिए 'वॉर 2' के बाद रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म अभिनेत्री कियारा आडवाणी की पिछली फिल्म 'गेम चेंजर' का जो हाल बॉक्स ऑफिस पर हुआ है, उसने उत्तर से लेकर दक्षिण तक इस हीरोइन की बॉक्स ऑफिस वैल्यू पर सवाल खड़े कर दिए। उनकी ये लगातार तीसरी फिल्म ऐसी है जो इसके मेकर्स की कारोबारी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। अब ले देकर फिल्म अभिनेता यश की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' पर ही उनका करियर टिका है। उनकी एक और फिल्म 'वॉर 2' भी निर्माणाधीन है लेकिन ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की मौजूदगी में वह वहां कितना चमक पाएंगी, सोचा जा सकता है।

फिल्म 'टॉक्सिक' की हाल ही में मुंबई में कई दिनों तक शूटिंग चली। साउथ सिनेमा की नजदीक से खबर रखने वालों की मानें तो यश ने ये पूरी की पूरी शूटिंग इसके रशेज देखने के बाद खारिज कर दी है। फिल्म की अप्रैल में होने वाली रिलीज भी इसी चक्कर में आगे खिसकी है। पहले ये फिल्म इसी साल स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान रिलीज होने वाली थी। लेकिन, अब इसके क्रिसमस की छुट्टियों में रिलीज होने के आसार हैं। फिल्म की हीरोइन कियारा आडवाणी की पिछली फिल्म 'गेम चेंजर' फ्लॉप होने को भी इसका एक बड़ा कारण माना जा रहा है। कियारी की इसके पहले कार्तिक आर्यन के साथ आई फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' फ्लॉप रही थी। विक्की कौशल के साथ वाली उनकी फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' को वितरक तक नहीं मिले और इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज करना पड़ा था।

फिल्म 'टॉक्सिक' बना रहे मेकर्स के करीबी बताते हैं कि यश भी अपने साथ ऐसा कोई चेहरा फ्रेम में नहीं चाहते जो उनकी ब्रांड वैल्यू पर असर डाले। इसीलिए, वह फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ फिल्म की पूरी शूटिंग की फिर से समीक्षा भी कर रहे हैं। करीब 23 साल तक अभिनय और फिर 16 साल से निर्देशन में सक्रिय गीता मोहनदास उर्फ गीतू मोहनदास के साथ बैठकर कन्नड़ अभिनेता यश ने फिल्म 'टॉक्सिक' की अब तक की पूरी शूटिंग का रिव्यू किया है।

जानकारी के मुताबिक यश ने फिल्म 'केजीएफ 2' के बाद बन रही अपनी इस फिल्म के लिए मुंबई में महीने भर तक चली शूटिंग का फुटेज देखने के बाद इस पूरी शूटिंग को खारिज कर दिया है। फिल्म से जुड़ी पीआर एजेंसी हालांकि ऐसे किसी फैसले से साफ इन्कार कर रही है और फिल्म के इस शेड्यूल की नए सिरे से शूट करने की भी किसी तैयारी का जानकारी होने से उसने इन्कार किया है। लेकिन, बेंगलुरू से लेकर हैदराबाद तक ये खबर वायरल हो चुकी है कि यश ने फिल्म की बहुत सारी शूटिंग खारिज कर दी है। इस बीच फिल्म में नयनतारा के आ जुड़ने से संकेत ये भी मिल रहे हैं कि अब वह फिल्म की लीड अदाकारा होंगी। 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों की रिकॉर्डतोड़ कामयाबी के बाद अभिनेता यश ने तमाम फिल्मों के प्रस्ताव ठुकराए। उनके पास हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम से दर्जनों प्रस्ताव पहुंचे। पर, उन्होंने गीतू मोहनदास को फिल्म 'टॉक्सिक' के निर्देशन का मौका दिया।

गीतू मोहनदास ने बाल कलाकार के रूप में अपना फिल्मी करियर शुरू किया और साल 2009 तक वह करीब तीन दर्जन फिल्मों में अभिनय कर चुकी थीं। निर्देशन में उनके नाम का डंका हिंदी फिल्म 'लायर्स डाइस' से मचा। दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के साथ ये फिल्म ऑस्कर तक का चक्कर लगा आई है। पर बताते हैं कि यश को उनका मुंबई शेड्यूल में फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए किया गया काम बिल्कुल पसंद नहीं आया। ये पूरी की पूरी शूटिंग स्क्रैप करने का निर्देश यश ने गीतू को और फिल्म के निर्माताओं को सुना दिया है। और, इसी चक्कर में अब ये फिल्म इस साल गर्मियों में रिलीज नहीं होगी। अभी तक की सूचना के मुताबिक ये फिल्म क्रिसमस के आसपास रिलीज हो सकती है। आशंका ये भी है कि अगर फिल्म यश की पसंद के मुताबिक नहीं बनी तो इसकी रिलीज अगले साल तक टल जाए।

रिलीज के कुछ घंटे बाद ही पाइरेसी की शिकार हुई देवा, शाहिद कपूर को लगा झटका

शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्म देवा शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन रिलीज के कुछ ही घंटों बाद ऑनलाइन लीक हो गई। शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर बड़े पर्दे पर आने के तुरंत बाद कई अवैध वेबसाइटों पर अपलोड कर दी गई थी।यह घटना भारतीय सिनेमा को निशाना बनाकर साइबर चोरी का एक और मामला है।

कलेक्शन पर होगा असर

देवा के पाइरेटेड संस्करण कई अवैध वेबसाइटों पर देखे गए हैं। देवा मूवी डाउनलोड, देवा मूवी एचडी डाउनलोड, देवा तमिलरॉकर्स, देवा फिल्मजिला, और देवा टेलीग्राम लिंक्स जैसे कीवर्ड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहे हैं। यह फिल्म कई फॉर्मेट में कई वेबसाइटों पर उपलब्ध है। देवा का ऑनलाइन लीक होना इसकी बॉक्स ऑफिस संभावनाओं के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

फिल्म के कलाकार

यह फिल्म शुरुआती तौर पर देश भर के सिनेमाघरों में भारी भीड़ खींच रही है, जिसमें शाहिद कपूर ने एक विद्रोही पुलिस अधिकारी देव अम्बरे की भूमिका में अभिनय किया है। मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित इस थ्रिलर-ड्रामा में पूजा हेगड़े एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जबकि कुब्रा सैत और पावेल गुलाटी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

कई फिल्में हो चुकी हैं पाइरेसी का शिकार

देवा से पहले भी कई फिल्में पाइरेसी का शिकार हो चुकी हैं। अक्सर हर फिल्म ही पाइरेसी का शिकार हो जाती हैं। इससे पहले साउथ सुपरस्टार राम चरण की फिल्म गेम चेंजर भी पाइरेसी का शिकार हुई थी, जिस पर निर्माताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक्शन भी लिया था। इस मामले में पुलिस केस भी किया गया और एक आरोपी को हिरासत में भी लिया गया था।

मैं 7-8 साल की थी तभी से लोग मेरे बारे में बोलते हैं, बहुत बुरा लगता था

माता-पिता श्रीदेवी और बोनी कपूर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर उत्साहित भी हैं और नर्वस भी। ओटीटी पर द आर्चीज से अपने अभिनय का श्रीगणेश करने वाली खुशी अब आने वाली फिल्म लवयापा में प्यार-मोहब्बत की उलझनों को दर्शाती नजर आएंगी। इस मुलाकात में वे अपनी फिल्म, महिला मुद्दों, माता-पिता और ट्रोल्स के बारे में खुलकर बात कर रही हैं।

इंडस्ट्री में जब भी दो बहन या भाई आते हैं, तो उनके बीच सिबलिंग राइवलरी की चर्चा होने लगती है। आपकी बहन जाह्नवी कपूर से आपकी बॉन्डिंग काफी है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं ऐसा कुछ मानती ही नहीं। मुझे नहीं लगता कि दो बहनों के बीच ऐसा कुछ होता होगा। हां, हम दोनों बहनें एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। मैं जाह्नवी से काफी सवाल पूछती रहती हूं। जाह्नवी का सिर खा जाती हूं। काम की बात हो या किसी फंक्शन में कोई आउटफिट पहनना हो। मैं उससे सवाल पर सवाल करती रहती हूं। मैं उसको आउटफिट के पिक्स ले-लेकर भेजती रहती हूं और पूछती रहती हूं कि क्या पहनूं। क्या करूं! मुझे लगता है कि मैं उनके अनुभव से काफी कुछ सीख सकती हूं। वो जो कहती हैं, मैं वैसा ही करती हूं।

आपके फिल्मकार पिता बोनी कपूर से आपने क्या टिप्स लिए इंडस्ट्री में आने के लिए?

मैं अपने डैड से पूछे बिना कुछ नहीं करती। मैं इंडस्ट्री में नई हूं और वे काफी अनुभवी हैं, तो स्क्रिप्ट्स की बात हो या काम की, मैं हमेशा उन्हीं से सलाह लेती हूं। वे हमेशा मुझे एडवाइज देते हैं और मेरा मार्गदर्शन करते हैं।

आपकी नजर में सबसे आइडियल कपल कौन है?

बेशक मेरे माता-पिता। मैं अपने माता-पिता से बहुत प्यार करती हूं। वही मेरी नजर में सबसे आदर्श कपल हैं। हर कोई बचपन से अपने माता-पिता को ही देखता है एक आदर्श के रूप में। उनकी आदतें, उनके मूल्यों और विश्वास को ही वे अपनाते हैं। उनकी गलतियों से सीखते हैं। मैंने प्यार का अहसास अपने माता-पिता के रिश्ते से सीखा। जिस तरह वे एक-दूसरे को चाहते थे। मैं भी उसी तरह का प्यार और रिश्ता चाहूंगी।

आपकी फिल्म रिलेशनशिप और प्यार-मोहब्बत पर आधारित है। क्या आप उनके सिचुएशनशिप, बेंचिंग, रेड फ्लैग, घोस्टिंग जैसे टर्म्स से वाकिफ हैं?

मुझे रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग के बारे में तो पता है। ये समझना आसान है। बाकी दूसरे टर्म्स से मैं वाकिफ नहीं हूं। मैं देखती हूं कि हर दिन कुछ नया आ जाता है। मगर मैं इतना कह सकती हूं कि प्यार एक अहसास है। वह अब भी वैसा ही है, जैसे पहले था। हां, कॉम्प्लिकेशन्स भी हैं। बस अब ये एक्स्ट्रा टर्म्स आ गए हैं। जैसे हमारी फिल्म ही ले लीजिए। इसमें फोन के कारण काफी जटिलताएं आ जाती हैं। हमारी फिल्म में आपको पुरानी फिल्मों वाला प्यार-मोहब्बत मिलेगा, मगर हमने न्यू एज जेनरेशन के लव और उनकी समस्याओं को भी दर्शाया है।

सोशल मीडिया पर आप कितना वक्त बिताती हैं? ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

मैं भी दूसरों की तरह सोशल मीडिया पर काफी वक्त बिताती हूं। रील्स देखती रहती हूं। कोशिश करती हूं कि अपना स्क्रीन टाइम कम कर सकूं, मगर कर नहीं पाती, क्योंकि सारा काम फोन पर ही होता है। हमारी पूरी जिंदगी फोन पर है। वैसे कंट्रोल नहीं है मेरा। जहां तक ट्रोल्स की बात है, तो वह मेरे फिल्मों में आने से पहले ही थे। जब मैं 7-8 साल की थी, तभी से लोग मेरे बारे में कुछ न कुछ तो बोलते ही रहते थे इंटरनेट पर। अब तो काफी हद तक आदत हो गई है, मगर जब मैं छोटी थी, तब बहुत बुरा लगता था कि मेरे बारे में ऐसा क्यों लिखा जा रहा है। मगर अब लगता है कि लोग तो कहेंगे ही। मैं उसे कंट्रोल नहीं कर सकती। लोगों को एक इम्प्रेशन है मुझे लेकर कि मैं इंडस्ट्री से हूं, तो शायद मैं ऐसी हूं या वैसी हूं। लोगों को लगता है कि अगर ये इंडस्ट्री से हैं, तो शायद ईमानदारी से काम नहीं करेगी। मगर वे गलत हैं। अगर मैं दिन भर ट्रोल्स के कॉमेंट पढ़ूं, तो मुझे बुरा ही लगेगा। मैं ज्यादातर उन्हें इग्नोर करती हूं। मैं अपना काम बेहतरीन ढंग से कर सकती हूं और उम्मीद करती हूं कि लोग मुझे पसंद करें।

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है।

राजकुमार राव-पत्रलेखा ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। नए उद्यम का नाम उनकी माताओं (कमलेश यादव और पापरी पॉल) के लिए प्यारी याद है, क्योंकि इसमें उनके नाम के पहले अक्षर शामिल हैं। दोनों ही कलाकार इस प्रयास में उद्योग जगत के अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस के नाम का मतलब भी समझाया है।

कपल ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है। अपने नए उद्यम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काम्पा का शुभारंभ हमारे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है। सिनेमा ने हमारे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह बदले में कुछ देने का हमारा तरीका है।

राजकुमार राव ने जताई खुशी

राजकुमार ने आगे कहा, हम ऐसी कहानियां बताने के लिए एक मंच बनाना चाहते थे, जो मनोरंजक और प्रेरणादायक होने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी गूंजती हों। यह यात्रा हमारे दिल के बहुत करीब है और हम दर्शकों के लिए ताजा और अनूठी कहानियां लाने के लिए उत्सुक हैं। कपल का उद्देश्य है कि वे काम्पा फिल्म्स को एक मंच के रूप में उपयोग करके विविध कहानियां सुनाएं, जो दर्शकों के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से जुड़ती हों।

कुछ प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है प्रोडक्शन हाउस

काम्पा फिल्म्स ने कुछ प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस को उम्मीद है कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगा। उनका लक्ष्य ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करना है, जिससे लोगों को संदेश भी मिले और उनका मनोरंजन भी हो जाए।

विजय की जासूसी थ्रिलर फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा? भाग्यश्री बोरसे भी आएंगी नजर

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म वीडी 12 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वीडी 12 की रिलीज से पहले इस फिल्म के टीजर का प्रशंसकों को इंतजार है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। लेकिन अब लगता है फिल्म को एक टाइटल मिल गया है। बहरहाल, कथित तौर पर वीडी 12 का नाम साम्राज्यम रखा गया है।

फिल्म का शीर्षक

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा गौतम थिन्नानुरी द्वारा निर्देशित फिल्म वीडी 12 में नजर आएंगे। निर्माता नागा वामसी द्वारा वीडी 12 का शीर्षक तय किए जाने की घोषणा के बाद, फिल्म के शीर्षक के बारे में अफवाहें फैलनी शुरू हो गई हैं। चर्चा के अनुसार, फिल्म का शीर्षक साम्राज्यम है, लेकिन अभी तक फिल्म के शीर्षक की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी

भारी भरकम बजट में बन रही इस फिल्म में वियज देवरकोंडा के साथ भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। भाग्यश्री को उनकी फिल्म मिस्टर बच्चन में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। यह एक जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी।

फिल्म का बजट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का शीर्षक और एक झलक 7 फरवरी, 2025 को सामने आ सकती है। यह अखिल भारतीय फिल्म सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बीच एक संयुक्त सहयोग है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत तैयार कर रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग

बहरहाल, विजय इन दिनों वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म का टीजर 7 फरवरी, 2025 को रिलीज किया जाएगा और निर्माता नागा वामसी ने पहले ही खुलासा कर दिया है कि वीडी 12 को दो भागो में रिलीज किया जाएगा और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल, वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है।